राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 28 जुलाई 2026 वर्ष-9,अंक-176 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

धनुष भी थलपति विजय की तरह राजनीति में लेंगे एंट्री!

- इवेंट में भाषण के दौरान 'जनता की भलाई' का किया इशारा

चेन्नई (एजेंसी)। साउथ के स्टार एक्टर-डायरेक्टर धनुष ने एक बार फिर राजनीति में आने की अटकलों को हवा दी है। उन्होंने अपने फैन्स से कहा कि वे सिर्फ फिल्मों से जुड़े जश्न तक ही सीमित न रहें, बल्कि अपनी एकता का इस्तेमाल जनसेवा के लिए करें। फैन्स के आयोजित एक ब्लड डोनेशन कैंप में कही

गई उनकी ये बातें वायरल हो गईं। इसके बाद कई लोग सोचने लगे कि क्या वह भी थलपति विजय के नक्शेकदम पर चल रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में राजनीति में कदम रखा और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। इस इवेंट में अपने फैन्स से बात करते हुए धनुष ने एकता की ताकत के बारे में बताया और उनसे अपील की कि वे जरूरतमंद लोगों की मदद करके समाज में बदलाव लाएं। उन्होंने कहा, इतने सारे लोग एक जगह जमा हुए हैं। इस तरह की एकता में बहुत ताकत होती है। हमें इस एकता को एक मकसद देना होगा।

एक और सुसाइड, अब महाराष्ट्र की नीट छात्रा ने दी अपनी जान

- जंतर-मंतर में सीजेपी आंदोलन के बाद आया पहला केस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें अंकिता ने लिखा कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं

मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया। परिवार के मुताबिक घटना से पहले छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली। नीट एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद सुसाइड का यह पहला मामला है। नीट मुद्दे पर अब तक 23 स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं। अंकिता ने सुसाइड नोट में लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 मार्क्स मिले, जबकि कटऑफ 177 था। मेरे इस कदम के लिए माता-पिता और भाई को जिम्मेदार न माने।

'शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही' बन सकते हैं प्राथमिकता

सीजेपी प्रोटेस्ट का दिल्ली की राजनीति पर होगा व्यापक असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर शुरू हुआ युवाओं का आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद भले ही खत्म हो गया हो लेकिन इसका असर सिर्फ शिक्षा व्यवस्था तक सीमित रहने की संभावना नहीं है। जिस तरह दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर के युवाओं ने इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, उसके बाद माना जा

रहा है कि इसका दूरगामी असर दिल्ली की राजनीति पर भी देखने को मिलेगा। खासकर शिक्षा, रोजगार, शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे मुद्दे अब राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं में शामिल हो सकते हैं।

युवा वोटर्स को देखते हुए बदलनी पड़ सकती है चुनावी रणनीति- इसकी एक बड़ी वजह दिल्ली में युवाओं की मजबूत चुनावी हिस्सेदारी भी है। चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली की वोटर लिस्ट में 18 से 29 साल के वोटर्स की हिस्सेदारी करीब 19 फीसदी है। इनमें 18 से 25 साल के युवाओं की संख्या लगभग 12 से 15 लाख के बीच है। यही वर्ग चुनावों में बढ़-चढ़कर वोट भी करता है।

ब्रेन डेड आर्टिस्ट की किडनियां और लिवर इंदौर में ट्रांसप्लांट, आई बैंक को दीं आंखें

अहमदाबाद के युवक के सीने में धड़केगा गौरव का दिल

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में खजूरी बाजार निवासी सतीश दवे और कविता दवे के 25 वर्षीय बेटे गौरव को 13 जुलाई को अचानक ब्रेन हेमरेज हुआ। उन्हें राजश्री अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने इलाज किया, लेकिन गौरव की हालत नहीं सुधरी। निर्धारित प्रक्रिया के तहत दो बार मेडिकल चेकअप के बाद स्पेशलिस्ट टीम ने गौरव को रविवार रात ब्रेन डेड घोषित कर दिया। जवान बेटे को खोने के दर्द के बीच ही दवे परिवार ने ऐसा फैसला लिया, जिसने कई लोगों की जिंदगी में नई उम्मीद जगा दी। परिवार की सहमति से गौरव का हार्ट, लिवर, किडनियां और आंखें दान की गई हैं। इसके लिए सोमवार को इंदौर में 68वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। परिवार के इकलौते बेटे गौरव फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग डायरेक्टर का काम करते थे। वे एक्टर भी बनना चाहते थे। पिता सतीश दवे सरकारी नौकरी से रिटायर्ड हैं। मां गृहिणी हैं। छोटी बहन वैदेही की शादी हो चुकी है।

बहन, बहनोई और भाई ने की बातचीत; माता-पिता ने रजामंदी दी

ब्रेन डेथ की पुष्टि होने के बाद गौरव की बहन वैदेही राठी, बहनोई पल्केश राठी और भाई रितिक चावरे ने माता-पिता को संभाला। उनसे गौरव के अंग दान करने को लेकर बातचीत की। माता-पिता ने इसके लिए सहमति दे दी। अंगदान की प्रक्रिया में मुस्कान पारमार्थिक ट्रस्ट के सेवादार जीतू बगानी, संदीपन आर्य और लकी खत्री ने दवे परिवार का सहयोग किया। आर्य ने बताया कि डॉक्टरों ने परिवार को ब्रेन डेथ और अंगदान के बारे में समझाया।

लिवर-किडनी, आंखें इंदौर में प्रत्यारोपित; हार्ट अहमदाबाद भेजा

सोमवार सुबह गौरव का लिवर राजश्री अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती 42 वर्षीय मरीज को प्रत्यारोपित किया गया। हार्ट ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से अहमदाबाद स्थित यूएन मेहता हॉस्पिटल भेजा गया, जहां 28 वर्षीय युवक को लगाया जाएगा। उनकी दोनों किडनियां चोइथराम हॉस्पिटल में भर्ती 22 और 52 वर्ष की दो महिला मरीजों को प्रत्यारोपित की गईं जबकि आंखें शंकरा आई बैंक के माध्यम से दान की गईं।

विश्व में अब तक 8 ही लोगों को हुई ये बीमारी

महक ने कहा- गौरव को बचपन से ही ब्रेन की बीमारी मोया-मोया थी, जो विश्व में अब तक सिर्फ 8 और भारत में तीन ही लोगों को हुई है। उन्हें 13 जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां दो दिन बाद ब्रेन सर्जरी की गई, दो स्टेंट डाले गए थे। इसके बाद गौरव को आईसीयू से वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। लेकिन अगले दिन ही फिर उनकी हालत बिगड़ी तो उन्हें वेंटिलेटर पर लिया गया। इसके बाद वे होश में नहीं आए। वहीं, मुस्कान पारमार्थिक ट्रस्ट के संदीपन आर्य ने कहा- दवे परिवार ने अपने व्यक्तिगत दुख से ऊपर उठकर जो निर्णय लिया, वह समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन

पुलिस की बर्बरता सही नहीं

- सुप्रीम कोर्ट बोला-आंदोलन एक संवैधानिक अधिकार है

कहा-प्रोटोकॉल तय हो, पुलिस से मारपीट भी चिंताजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने साथ ही कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना उतनी ही चिंता की बात है और सरकार से इस पर जवाब मांगा

जा सकता है। अब कोर्ट मंगलवार को इन सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में आरोप है कि नीट पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की। ये याचिकाएं 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च से जुड़ी हैं। पुलिस-रैपिड ऐक्शन फोर्स ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले छोड़े, पथराव भी हुआ। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारी घायल हुए।

संसद मार्च में हुआ था लाठीचार्ज, 100 से ज्यादा घायल थे

कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक चले प्रदर्शन में कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, संसद की ओर मार्च किया। ये लोग जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक से संसद के करीब पहुंच गए थे। इन लोगों ने संसद में घुसने की कोशिश की थी। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हुए। हालांकि पुलिस ने शाम 5 बजे तक जंतर-मंतर को खाली करा लिया।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में मेरा कोई रोल नहीं: गडकरी

- सड़क और परिवहन मंत्री बोले-यह पेट्रोलियम मंत्रालय से जुड़ा
- डीपफेक वीडियो पर मेटा-एक्स पर केस करेंगे, कोर्ट की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर एक याचिका में कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में उनका कोई रोल नहीं है। ये दोनों प्रोजेक्ट पूरी तरह से केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के हैं। दरअसल मेटा

प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल पर एथेनॉल मामले में गडकरी के कई सारे एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो वायरल हो रहे हैं। गडकरी ने याचिका में कहा है कि इन वीडियो में उन्हें एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम और ई-20 पहल से गलत तरीके से जोड़ा गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को डिजिटल कंटेंट के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है। अब गडकरी मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल कंपनी के खिलाफ सिविल सुट दायर कर सकते हैं। भारत में 20 फीसदी एथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के इस मिश्रण (ई 20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं।

- **सरकारी मंत्रालयों को भी बनाया गया प्रतिवादी-** इस मामले में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा दूरसंचार मंत्रालय को भी प्रतिवादी बनाया गया है। गडकरी ने स्पष्ट किया है कि इस मुकदमे का उद्देश्य सार्वजनिक चर्चा या सरकारी नीतियों की आलोचना को रोकना नहीं है। याचिका में कहा गया है कि इसका मकसद जनता को किसी भी सरकारी फैसले पर निष्पक्ष बहस या आलोचना से रोकना नहीं है। गडकरी का तर्क है कि सोशल मीडिया पर मौजूद कंटेंट पूरी तरह से झूठा, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण है। याचिका के मुताबिक, अज्ञात लोगों ने एआई वीडियो के जरिए यह गलत धारणा फैलाई कि गडकरी और उनका परिवार ईबीपी और ई20 पहल से लाभ कमा रहा है।

एके-47 से फायरिंग करने वाला पुलिसकर्मी सस्पेंड

- बिहार में एसपी के बॉडीगार्ड ने भीड़ की ओर चलाई थी गोलियां

सीवान (एजेंसी)। छात्रों पर लाठीचार्ज और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर 25 जुलाई को बिहार बंद बुलाया गया। इस दौरान पूरे प्रदेश में जमकर हंगामा और बवाल हुआ। 11 जिलों से पथराव और लाठीचार्ज की खबर आई। सबसे ज्यादा हंगामा सीवान में हुआ। जहां प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की गई। अब इस मामले में कार्रवाई हुई है, सीवान में स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान एके-47 से फायरिंग करने वाले एसपी पूरन झा के बॉडीगार्ड अभिषेक पटेल को सस्पेंड कर दिया गया है। फायरिंग में तीन छात्रों को गोली लगी थी। अब ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने जनहित याचिका दायर की है।

प्रधान बोले-स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं

- संसद पहुंचने पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा था-ऐसा होता रहता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को संसद पहुंचे। संसद परिसर में प्रधान के पहुंचते ही

भाजपा और एनडीए सांसदों की भीड़ उनका स्वागत करने पहुंची। विपक्षी सांसदों ने भी उनसे मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक विपक्षी सांसद ने तंज कसा कि यह पहली बार है, जब किसी मंत्री ने आरोप का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भी कहा- ऐसा होता रहता है। इस पर धर्मेंद्र प्रधान ने जवाब दिया, मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी कमरों में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं। प्रधान ने 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

एंटी पेपर लीक संशोधन बिल लोकसभा में पेश

पेपर लीक किया तो अब होगी 10 साल की जेल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लोकसभा में एंटी पेपर लीक संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया है। इसका मकसद पेपर लीक, संगठित नकल और परीक्षा में होने वाली धांधली पर पहले से कहीं ज्यादा सख्ती करना है। प्रस्तावित कानून के तहत संगठित पेपर लीक के मामलों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। साथ ही जांच और सुनवाई को भी तय समय में पूरा करने का प्रावधान किया गया है। जब देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपर लीक को लेकर छात्रों का भारी विरोध प्रदर्शन हुआ, यही कारण है कि यह बिल लाया गया। सरकार का कहना है कि ईमानदारी से तैयारी करने वाले छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए कानून को और मजबूत बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सख्त कार्रवाई, तेज जांच और फास्ट ट्रैक कोर्ट का भरोसा जता चुके हैं। इसके साथ ही एनटीए में तकनीकी सुधारों के सुझाव देने के लिए नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स भी बनाई गई है।

पेपर लीक पर अब 10 साल तक की जेल- सबसे बड़ा बदलाव सजा में किया गया है। संगठित तरीके से पेपर लीक कराने या नकल गिरोह चलाने वालों को अब अधिकतम 10 साल तक की जेल हो सकती है। पहले यह सजा 5 साल तक थी। सरकार का मानना है कि ऐसे मामलों के पीछे संगठित गिरोह काम करते हैं, इसलिए कड़ी सजा जरूरी है।

जुर्माना बढ़कर 10 करोड़ रुपए तक- बिल में आर्थिक सजा भी काफी बढ़ाई गई है। अब दोषियों पर अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। इसके अलावा यदि पेपर लीक के कारण परीक्षा दोबारा करानी पड़े, तो उसका खर्च भी दोषियों से वसूला जा सकेगा। अब केवल प्रश्नपत्र लीक ही नहीं, बल्कि एआई की मदद से नकल, परीक्षा प्रणाली की हैकिंग सब शामिल होंगे।

केवल छात्र नहीं, एजेंसियां भी होंगी जिम्मेदार

यदि परीक्षा कराने वाली एजेंसी, सर्विस प्रोवाइडर, तकनीकी कंपनी या कोई अधिकारी लापरवाही या मिलीभगत का दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। इससे पूरी परीक्षा व्यवस्था की जवाबदेही तय होगी। बिल में जांच एजेंसियों को ज्यादा अधिकार देने, केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाने और फास्ट ट्रैक अदालतों में मामलों की जल्द सुनवाई का प्रावधान किया गया है। सरकार का मकसद है कि पेपर लीक के मामलों का जल्दी निपटारा हो और दोषियों को समय पर सजा मिले। 2024 में बने कानून में बदलाव होंगे, सजा-जुर्माना दोनों बढ़ेंगे राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का अधिकार मिलेगा, जहां मामलों की रोजाना सुनवाई होगी। यह कानून केंद्र सरकार और उसकी एजेंसियों द्वारा आयोजित सार्वजनिक परीक्षाओं पर लागू होगा। इनमें रेलवे भर्ती, बैंकिंग भर्ती परीक्षाएं और अन्य केंद्रीय भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाएं शामिल हैं। सरकार ने यह संशोधन नीट पेपर लीक विवाद और देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के बाद लाया है। पीएम मोदी ने 23 जुलाई को कानून को और सख्त बनाने का ऐलान किया था। बाद में इंफोसिस को-फाउंडर नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधार के लिए हाई-पावर्ड टास्क फोर्स बनाने की भी घोषणा की गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मीराबाई ने रचा इतिहास, खेल महाशक्ति बनने की दस्तक

(लेखक - कुमार कृष्णन)

खेलों के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो केवल पदकों की संख्या से नहीं, बल्कि अपने सांकेतिक महत्व से याद रखे जाते हैं। वे किसी खिलाड़ी की व्यक्तिगत उपलब्धि से आगे बढ़कर पूरे राष्ट्र के आत्मविश्वास, उसकी सामूहिक आकांक्षाओं और भविष्य की दिशा का संकेत बन जाते हैं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू का स्वर्ण पदक ऐसा ही एक क्षण है। महिलाओं की 48 किलोग्राम स्पर्धा में 190 किलोग्राम भार उठाकर उन्होंने केवल स्वर्ण पदक ही नहीं जीता, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारतीय खेल अब प्रतिभा के भरोसे नहीं, बल्कि निरंतरता, वैज्ञानिक तैयारी और अदम्य आत्मविश्वास के नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं।

ग्लासगो में भारत के अभियान की शुरुआत जिस अंदाज़ में हुई, उसने यह संदेश दिया कि राष्ट्रमंडल खेलों में भारत अब केवल पदक तालिका में सम्मानजनक स्थान पाने का लक्ष्य लेकर नहीं उतरता, बल्कि अनेक स्पर्धाओं में प्रभुत्व स्थापित करने की क्षमता विकसित कर चुका है। भारोत्तोलन में पहले ही दिन स्वर्ण और दो रजत पदक इस विश्वास को और मजबूत करते हैं।

मीराबाई चानू ने स्नैच में 85 किलोग्राम तथा क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम भार उठाकर कुल 190 किलोग्राम का स्कोर बनाया। यह केवल स्वर्ण जीतने के लिए पर्याप्त नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से पूरे 22 किलोग्राम अधिक वजन उठाकर अपनी श्रेष्ठता निर्विवाद रूप से स्थापित कर दी। खेलों की दुनिया में ऐसी जीतें बहुत कम देखने को मिलती हैं, जहां विजेता और दूसरे स्थान के बीच इतना बड़ा अंतर हो। यह अंतर केवल ताकत का नहीं, बल्कि तैयारी, तकनीक और मानसिक दृढ़ता का भी होता है।

इस स्वर्ण के साथ मीराबाई ने राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतकर एक नई मिसाल कायम की। किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बार चैंपियन बनना कठिन होता है, लेकिन वर्षों तक अपने प्रदर्शन को उसी स्तर पर बनाए रखना उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। खेल इतिहास बताता है कि महान खिलाड़ी वही कहलाते हैं जो समय के साथ स्वयं को बार-बार साबित करते हैं। मीराबाई अब उसी श्रेणी में खड़ी दिखाई देती हैं।

उनकी यात्रा भारतीय खेलों की सबसे प्रेरक यात्राओं में से एक है। मणिपुर के छोटे से गांव नोंगपोक काकचिंग में जन्मी यह बेटी बचपन में सिर पर लकड़ियों के भारी गट्ठर उठाती थी। शायद उसी कठिन जीवन ने उनके कंधों को वह मजबूती दी, जिसने आगे चलकर विश्व मंच पर भारत का भार उठाने की क्षमता पैदा की। आर्थिक कठिनाइयों, सीमित संसाधनों, चोटों और असफलताओं के बावजूद उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया। टोक्यो ओलंपिक का रजत पदक हो या विश्व चैंपियनशिप में सफलता—हर उपलब्धि के पीछे वर्षों का मौन संघर्ष छिपा हुआ है।

मीराबाई की जीत का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय महिला खेल आंदोलन की भी बड़ी सफलता है। कभी खेलों में महिलाओं की भागीदारी अपवाद मानी जाती थी। आज पी. वी. सिंधु, निकहत ज़रीन, साक्षी मलिक, लवलीना बोरगोहैन और मीराबाई चानू जैसी खिलाड़ी भारतीय खेलों की पहचान बन चुकी हैं। यह परिवर्तन केवल खेल के मैदान तक सीमित नहीं है; यह भारतीय समाज में महिलाओं के प्रति बदलती सोच और बढ़ते आत्मविश्वास का भी प्रमाण है।

ग्लासगो में भारत की सफलता केवल मीराबाई तक सीमित नहीं रही। पुरुषों की 60 किलोग्राम स्पर्धा में चनामबम ऋषिकांत सिंह ने रजत पदक जीतकर भारतीय अभियान को नई ऊर्जा दी। उन्होंने कुल 264 किलोग्राम वजन उठाया और स्नैच में 121 किलोग्राम का भार उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि रिकॉर्ड केवल जीत का प्रमाण नहीं होते, वे यह बताते हैं कि खिलाड़ी प्रतियोगिता के मानकों को बदलने की क्षमता रखता है।

ऋषिकांत सिंह का प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि भारतीय भारोत्तोलन में प्रतिभाओं की नई पीढ़ी तैयार हो चुकी है। अब भारत की सफलता किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही। यह एक स्वस्थ खेल संस्कृति की पहचान है, जहां लगातार नए खिलाड़ी सामने आते हैं और अनुभवी खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाते हैं।

इसी क्रम में राजा मुथुपंडी ने पुरुषों की 65 किलोग्राम स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत के खाते में एक और सफलता जोड़ दी। तीन पदकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारोत्तोलन अब भारत के लिए सबसे भरोसेमंद खेलों में शामिल हो चुका है। कभी यह खेल डोपिंग विवादों और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण चर्चा में रहता था। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ पर कई बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक प्रशिक्षण, पोषण, खेल विज्ञान, बेहतर निगरानी और खिलाड़ियों के अनुशासन ने इस खेल की तस्वीर बदल दी है। ग्लासगो की सफलता उसी परिवर्तन की कहानी है।

भारतीय दल के लिए यह भी उत्साहजनक रहा कि पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने कांस्य पदक जीतकर यह साबित किया कि भारत का पैरा खेल आंदोलन भी निरंतर मजबूत हो रहा है। यह उपलब्धि बताती है कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का नहीं, बल्कि मानसिक शक्ति और अदम्य संकल्प का भी नाम है।

इन सफलताओं का एक महत्वपूर्ण सामाजिक आयाम भी है। मीराबाई चानू और ऋषिकांत सिंह दोनों मणिपुर से आते हैं। पूर्वोत्तर भारत लंबे समय से देश को उत्कृष्ट खिलाड़ी देता रहा है। मुक्केबाजी में मैरी कॉम, भारोत्तोलन में मीराबाई और अब ऋषिकांत जैसे खिलाड़ी बताते हैं कि यह क्षेत्र भारतीय खेलों की नई ऊर्जा का स्रोत है। दुर्भाग्य से यह क्षेत्र लंबे समय तक विकास और खेल सुविधाओं के मामले में उपेक्षित रहा। फिर भी वहां की प्रतिभाओं ने यह सिद्ध कर दिया कि अवसर मिलने पर वे विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन कर सकती हैं। यह सरकारों के लिए भी संदेश है कि खेल अवसंरचना का विस्तार केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

भारतीय खेलों का परिदृश्य पिछले एक दशक में तेजी से बदला है। कभी क्रिकेट ही राष्ट्रीय खेल चेतना का पर्याय बन गया था, लेकिन अब बैडमिंटन, मुक्केबाजी, कुश्ती, निशानेबाजी, एथलेटिक्स, हॉकी और भारोत्तोलन जैसे खेल भी व्यापक जनसमर्थन प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवर्तन स्वस्थ लोकतांत्रिक खेल संस्कृति का संकेत है। जब किसी देश में अनेक खेलों के खिलाड़ी राष्ट्रीय नायक बनने लगते हैं, तब समझना चाहिए कि वहां खेलों की जड़ें गहरी हो रही हैं।

हालांकि इन सफलताओं के बीच कुछ गंभीर प्रश्न भी हैं। भारत जैसी विशाल आबादी वाले देश के लिए खेल अवसंरचना अभी भी अपर्याप्त है। गांवों और छोटे कस्बों में प्रतिभाओं की पहचान की व्यवस्था कमजोर है। प्रशिक्षकों की कमी, खेल विज्ञान का सीमित उपयोग, पोषण संबंधी असमानताएं और खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य पर कम ध्यान जैसी समस्याएं आज भी मौजूद हैं। यदि भारत वास्तव में खेल महाशक्ति बनना चाहता है, तो इन चुनौतियों का समाधान करना होगा।

यह भी याद रखना होगा कि राष्ट्रमंडल खेलों की सफलता महत्वपूर्ण अवश्य है, लेकिन अंतिम कसौटी ओलंपिक है। विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा का स्तर कहीं अधिक ऊंचा होता है। इसलिए ग्लासगो के पदकों को उपलब्धि के साथ-साथ भविष्य की तैयारी के रूप में भी देखना चाहिए। मीराबाई स्वयं इस बात का उदाहरण हैं कि राष्ट्रमंडल खेलों की सफलता को ओलंपिक पदक में कैसे बदला जा सकता है।

भारत आज 2036 ओलंपिक की मेजबानी का सपना देख रहा है। यदि यह सपना साकार होता है तो केवल आधुनिक स्टेडियम पर्याप्त नहीं होंगे। हमें लाखों बच्चों के भीतर खेल संस्कृति विकसित करनी होगी। विद्यालयों में खेल को परीक्षा जितना महत्व देना होगा। माता-पिता को भी यह स्वीकार करना होगा कि खेल केवल शौक नहीं, बल्कि सम्मानजनक पेशा और राष्ट्र निर्माण का माध्यम भी है।

खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं होते। वे समाज को अनुशासन, परिश्रम, टीम भावना और असफलताओं से जूझने का साहस सिखाते हैं। ऐसे समय में जब युवा पीढ़ी डिजिटल दुनिया में अधिक समय बिताती है, खेल उन्हें शारीरिक और मानसिक संतुलन प्रदान कर सकते हैं। इसलिए खेलों में निवेश केवल खिलाड़ियों पर खर्च नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य में निवेश है।

ग्लासगो में जब मीराबाई चानू के सम्मान में तिरंगा सबसे ऊपर लहराया और राष्ट्रगान की धुन गूंजी, तब वह केवल एक खिलाड़ी की जीत का क्षण नहीं था। वह उन लाखों भारतीय बच्चों के सपनों का भी उत्सव था जो छोटे-छोटे गांवों, पहाड़ों और कस्बों से निकलकर एक दिन विश्व मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं।

मीराबाई चानू का स्वर्ण, ऋषिकांत सिंह और राजा मुथुपंडी के रजत तथा झंडू कुमार का कांस्य हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि भारत का खेल भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इन खिलाड़ियों ने केवल पदक नहीं जीते, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि प्रतिभा, परिश्रम और अवसर का संगम किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बन सकता है।

ग्लासगो 2026 की यह शुरुआत भारतीय खेल इतिहास में केवल पदकों के लिए याद नहीं रखी जाएगी। इसे उस क्षण के रूप में भी याद किया जाएगा, जब भारत ने दुनिया से यह कहना शुरू किया कि वह खेलों में अब संभावनाओं का नहीं, उपलब्धियों का देश है। मीराबाई चानू की स्वर्णिम मुस्कान और भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि भारत खेल महाशक्ति बनने की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

कई सप्ताह लंबा आंदोलन

नीट पेपर लीक और अन्य परीक्षाओं से जुड़ी अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों ने जो कई सप्ताह लंबा आंदोलन चलाया,उसकी तार्किक परिणति सबके सामने है। सरकार को छात्र आंदोलन के सामने झुकना पड़ा। जिसके फलस्वरूप शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ। एक बार फिर मोदी सरकार को आंदोलनकारियों के दबाव में फैसला लेना पड़ा। भाजपा के नेता कहते रहे हैं कि इस सरकार में मंत्रियों के इस्तीफे नहीं हुआ करते। युवाओं के इस आंदोलन ने किसान आंदोलन की याद ताजा कर दी, जब सरकार को किसानों के एक साल चले आंदोलन के बाद तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। वहीं सरकार को उस संकट को स्वीकार करना पड़ा, जो भारतीय शिक्षा व्यवस्था में दशकों से शिकंजा कसे हुआ था। बहरहाल, सड़कों पर उतरे छात्रों के आंदोलन से साफ संदेश सामने आया कि अब भारत के युवा उस सिस्टम से जवाबदेही मांग कर रहे हैं, जो उनके भविष्य का निर्धारण करता है। एक और बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि युवाओं के इस आंदोलन ने देश के समक्ष मौजूदा दो सबसे बड़ी चुनौतियों- शिक्षा और बेरोजगारी को फिर सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। ऐसा नहीं है कि इन मुद्दों पर चर्चा पहले नहीं हुई। लेकिन यह महज नीतियां बनाने और चुनावी भाषणों में चर्चा तक सीमित रह गया था। विडंबना यह है कि देश में एक के बाद एक आई सरकारों ने कभी इस चुनौती का सीधे तौर पर मुकाबला वहीं इस छात्र आंदोलन ने यह भी साबित किया है कि हम जिस पीढ़ी को अक्सर महज 'डिजिटल दुनिया में खोई हुई' पीढ़ी मानते रहे हैं, वह पीढ़ी संस्थागत सुधारों के लिये पूरी चेतना के साथ सामने आ सकती है। निस्संदेह, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद केंद्र को आत्ममंथन करना चाहिए। लेकिन सुधार की उसकी इच्छा महज मंत्रियों और अधिकारियों को हटाने तक ही सीमित न रहे। ऐसी स्थिति में जब शिक्षा में सीमित सीटों और नौकरियों के लिये लाखों प्रतियोगी कड़ा मुकाबला करते हैं, सरकार सोचे कि प्रवेश परीक्षाओं को कैसे पारदर्शी व फूलप्रूफ बनाया जाए। इन्हें कितनी जिम्मेदारी के साथ आयोजित किया जाता है, इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। निस्संदेह, परीक्षा में धोखाधड़ी के खिलाफ प्रस्तावित कठोर कानून, फास्ट-ट्रैक कोर्ट और सख्त सजा आवश्यक कदम हो सकते हैं, लेकिन सिर्फ कठोर कानून मात्र से बिगड़ा हुआ ढांचा ठीक नहीं होगा। वास्तव में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और सार्वजनिक परीक्षाओं के स्वरूप में पारदर्शिता, तकनीकी सुरक्षा और स्वतंत्र निगरानी जरूरी है। संसद में इन सुधारों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्ष भी समझ ले कि छात्रों के भविष्य को राजनीतिक बाजीगरी का अखाड़ा नहीं ही बनाया जाना चाहिए। भारत आज एक युवा देश है, जिसकी आधी से ज्यादा आबादी तीस साल से कम उम्र वाली है। ऐसे में हमें एक ऐसे शिक्षा तंत्र की जरूरत है, जो युवाओं का भरोसा कायम करे। साथ ही योग्य प्रतिभागियों को न्याय मिले। एक संदेश साफ है कि अब जेन-ज़ी को गंभीरता से लेना होगा।

हरित भविष्य की राहः प्रकृति संरक्षण का संकल्प

(लेखक- सुनील कुमार महला)

(28 जुलाई विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर विशेष आलेख)

हम धरती पर से सबसे पहले प्लास्टिक प्रदूषण को कम करें। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें। इतना ही नहीं, हरित ऊर्जा आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानवता की आवश्यकता बन चुकी है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जीवाश्म ईंधनों के सीमित भंडार को देखते हुए सौर, पवन, जल और जैव ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना समय की मांग है। हरित ऊर्जा न केवल कार्बन उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम करती है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूत बनाती है।

प्रतिवर्ष 28 जुलाई को जैव विविधता के संरक्षण, विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित किए जाने,पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की रक्षा करने के क्रम में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया जाता है। आज विकास की होड़ में जगह-जगह कंक्रीट के जंगल खड़े किए जा रहे हैं और प्राकृतिक संसाधनों का जमकर दोहन किया जा रहा है। मानव अपने स्वार्थ और लालच के चक्कर में प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करना भूल सा गया है और प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जंगल कम होते चले जा रहे हैं और जलवायु परिवर्तन हो रहा है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है और ग्लेशियर पिघल रहे हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, वन, मिट्टी, वायु, वन्यजीव और जैव विविधता आदि सीमित हैं तथा इनके संरक्षण के बिना मानव जीवन और सतत विकास संभव नहीं है। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी और नैतिक कर्तव्य है। आज के समय में अनियंत्रित शहरीकरण, प्लास्टिक प्रदूषण, अंधाधुंध खनन और वनों की कटाई प्रकृति के सामने सबसे बड़ी चुनौतियाँ हैं। वास्तव में प्रकृति केवल हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन नहीं, बल्कि जीवन का मूल आधार है। यदि जंगल, नदियाँ, मिट्टी, वायु और वन्यजीव सुरक्षित रहेंगे, तभी मानव सभ्यता का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल बचाने, अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने, प्लास्टिक का कम उपयोग करने तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रकृति का सम्मान और संरक्षण ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे मूल्यवान विरासत है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर भारत में वनों की स्थिति की बात करें तो एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 21.76ब्न भाग वन क्षेत्र है, जबकि वृक्ष आवरण लगभग 3.41ब्न है। दोनों को मिलाकर वन एवं वृक्ष आवरण लगभग 25.17ब्न है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज देश में विकास परियोजनाओं, सड़क एवं रेल निर्माण, खनन, शहरीकरण और अवैध कटाई के कारण कई क्षेत्रों में वनों पर दबाव बढ़ रहा है।वनों की कटाई से जैव विविधता घटती है, वन्यजीवों के आवास नष्ट होते हैं, मिट्टी का कटाव बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन की समस्या गंभीर होती है।

आज प्रकृति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती प्लास्टिक प्रदूषण की है। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो जानकारी मिलती है कि दुनिया में हर वर्ष 400 मिलियन टन (40 करोड़ टन) से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है। इसका बड़ा हिस्सा कचरे के रूप में पर्यावरण में पहुँच जाता है।यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही, तो 2050 तक गलत तरीके से प्रबंधित (**mismanaged**) प्लास्टिक कचरा लगभग दोगुना होकर 12.1 करोड़ टन प्रति वर्ष तक पहुँच सकता है। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के समक्ष एक बहुत ही गंभीर व बड़ी चुनौती है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में 2022-23 के दौरान लगभग 41.36 लाख टन (4.14 मिलियन टन) प्लास्टिक कचरा दर्ज किया गया। यह बहुत ही संवेदनशील है कि भारत से हर वर्ष लगभग 93 लाख टन (9.3 मिलियन टन) प्लास्टिक पर्यावरण में उत्सर्जित होता है, जो वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का लगभग 20% है।

इतना ही नहीं,आज एआइ व इलैक्ट्रिक व्हीकल का दौर है।एआई और इलेक्ट्रिक व्हीकल के दौर में भी प्रदूषण की चुनौती बहुत बड़ी है। एआई के लिए विशाल डेटा सेंटरों को भारी मात्रा में बिजली और पानी की आवश्यकता होती है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों के निर्माण के लिए लिथियम, कोबाल्ट और निकेल जैसे खनिजों का बड़े पैमाने पर खनन किया जाता है, जिससे पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है। यदि इन बैटरियों का वैज्ञानिक ढंग से पुनर्चक्रण (रि-साइक्ल) न किया जाए, तो वे भविष्य में नए प्रकार के प्रदूषण का कारण बन सकती हैं।

ऐसे में आज जरूरत इस बात है कि हम धरती पर से सबसे पहले प्लास्टिक प्रदूषण को कम करें। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें। इतना ही नहीं, हरित ऊर्जा आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानवता की आवश्यकता बन चुकी है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जीवाश्म ईंधनों के सीमित भंडार को देखते हुए सौर, पवन, जल और जैव ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना समय की मांग है। हरित ऊर्जा न केवल कार्बन उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम करती है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूत बनाती है। यदि हमें आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पृथ्वी देनी है, तो हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना और ऊर्जा की बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।

अंत में यही कहूंगा कि प्रकृति संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय व सामूहिक भागीदारी से ही संभव है। इसके लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना और उनका संरक्षण करना, जल एवं ऊर्जा की बचत करना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) अपनाना, जैव विविधता और वन्यजीवों की रक्षा करना तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देना आवश्यक है। जब विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित होगा तथा प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति को अपना दायित्व समझेगा, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और सुरक्षित पृथ्वी सुनिश्चित की जा सकेगी।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं- हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते हो- प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!' झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

विचार मंथन

दुनिया में भारत की पहचान अब कॉकरोच से

(लेखक- सनत जैन)

भारत में पिछले दिनों कॉकरोच के प्रदर्शन में जो कुछ हुआ है, उससे भारत की सारी दुनिया में एक नई छवि बनी है। अंग्रेजों के समय में भारत की पहचान सांप- सपेरों के रूप में थी। महात्मा गांधी के आंदोलन ने भारत की एक नई पहचान सारी दुनिया में बनाई थी। अंग्रेजों के खिलाफ शांतिपूर्वक प्रदर्शन करते हुए उन्होंने भारत की स्वतंत्रता की नींव रखी थी। अंग्रेजों को भारत के साथ-साथ कई उपनिवेश आजाद करना पड़े थे। भारत की पहचान महात्मा गांधी बने। भारत स्वतंत्र हुआ, उसके बाद सारी दुनिया में भारत को एक लोकतांत्रिक देश, आईटी, परमाणु ताकत, आईआईएम, बेहतर शिक्षा, ओद्योगिक क्रांति और खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता के रूप में सारी दुनिया में नई पहचान मिली। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु और इंदिरा गांधी तक ने भारत में पूंजीवाद और और कम्युनिस्ट व्यवस्था के स्थान पर समाजवाद की नई अवधारणा पैदा की। जिसमें सभी वर्गों को समान अधिकार दिए गए। भारत की पहचान गुटनिरपेक्ष देश के रूप में सारी दुनिया में बनी। बिना किसी भेदभाव के नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर तथा आर्थिक समानता को लेकर सारी दुनिया के सामने एक श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में पहचान मिली। संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत एक अलग ताकत के साथ पहचाना गया। विश्व शांति के लिए भारत एक ऐसे मध्यस्थ के रूप में जाना जाता था, जो किसी भी देश से कभी भी बात कर सकता था। सारे विश्व में भारत की बात सुनी जाती थी। अमेरिका- रूस जैसी महाशक्तियां भी भारत को अनदेखा नहीं कर सकती थीं। 1947 के बाद भारत ने बड़ी तेजी के साथ विकास किया। इस बीच चीन और पाकिस्तान से युद्ध भी लड़ने पड़े। इसके बाद भी भारत विकास के पथ पर तेजी के साथ आगे बढ़ता रहा। 2004 से लेकर 2014 के बीच में जब सारा विश्व वैश्विक व्यापार संधि के बाद आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहा था, उस समय भारत ने अमेरिका की आर्थिक मंदी के बीच में जिस तरह से अपनी अर्थव्यवस्था को बनाए रखा था। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा को भी डॉक्टर मनमोहन सिंह की तारीफ करनी पड़ी। उन्होंने मनमोहन सिंह को अपना गुरु तक बता दिया था। ऐसे भारत को अब सारी दुनिया में एक नई पहचान कॉकरोच के रूप में मिली है। 2014 में केंद्र की पूर्ण बहुमत की सरकार लगभग तीन दशक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी। उसके बाद से ही भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की कोशिश की जा रही है। भारत को विश्व गुरु बनाने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है। पिछले 12 वर्षों में विश्व गुरु, लोकतंत्र की जननी, विकसित भारत, हिंदू राष्ट्र, राष्ट्रभक्ति, सनातन धर्म को लेकर बहुत सारे प्रयास शुरू किये गए। यह सारे प्रयास सपने और नारे तक सीमित होकर रह गए हैं। मोदी सरकार ने अपने शासनकाल में लाभार्थी, खैराती और परजीवी बनाने का जो मिशन चलाया। भारत के नागरिकों की नागरिकता पर प्रश्न चिन्ह लगाए गए। एसआईआर के माध्यम से करोड़ों मतदाताओं को मतदान से वंचित किया गया। जिस तरह से हिंदू और मुसलमान के बीच 80-20 का नारा दिया गया। हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए मुसलमानो के प्रति जो वेमनष्यता पैदा की गई। उसने एक नए भारत को जन्म दिया है। सारी दुनिया भारत को अब कॉकरोच के नाम से जान रही है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने एक मामले की सुनवाई करते हुए बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच कहा था। इस टिप्पणी का त्वरित असर हुआ। सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी बन गई। एक ही रात में करोड़ों लोग उसमें शामिल हो गए। यह एक आंदोलन बन गया। देखते ही देखते दुनिया के सभी देशों में भारत की नई पहचान कॉकरोच देश के रूप में बन गई। देखते ही देखते हिंदू राष्ट्र, विश्व गुरु, सनातन धर्म इत्यादि कहां चले गए, इसका पता नहीं लग रहा है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद मोदी सरकार खुद अपने आप को बचाने में लग गई है। जेन-जी की भारतीय युवा शक्ति ने सारी दुनिया को बता दिया है, कि वे भारत के युवा हैं, उनकी तुलना बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल इत्यादि के जेन-जी से नहीं की जा सकती है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और शांति का जो मंत्र दिया था. यह मंत्र भारत के जेन-जी युवाओं के डीएनए में है। भारत की युवा शक्ति की यह झंकार सारी दुनिया में गूंज रही है। अब यही भारत की नई पहचान है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कई दिनों की गिरावट के बाद सोना-चांदी फिर चमके

चांदी 2300 और सोना 658 रुपए महंगा हुआ

मुंबई ।

सोने और चांदी के दामों में सप्ताह के पहले`` दिन सोमवार को जोरदार तेजी देखी गई, जिससे इन बहुमूल्य धातुओं को पिछले कई दिनों से जारी गिरावट से राहत मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी 2300 रुपए उछलकर कारोबार कर रही है, जबकि सोना भी 658 रुपए महंगा हो गया है। विशेषज्ञों ने अमेरिकी डॉलर की कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी को इस तेजी की मुख्य वजह बताया है। सोमवार के कारोबार में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी 2300 रुपए की बढ़त के साथ 2,24,501 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। वहीं, सोना 658 रुपए चढ़कर 1,43,764 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी गोल्ड रेट 0.52 फीसदी की तेजी के साथ 4,091 डॉलर प्रति औंस पर देखा गया, जबकि चांदी 1.31 फीसदी बढ़कर 59.68 रुपए प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। निवेशकों और खरीदारों के लिए, 22 कैरेट सोने का भाव 1,32,840 से 1,32,990 प्रति 10 ग्राम के बीच है, जिससे 1 तोला (11.66 ग्राम) 22 कैरेट सोने की कीमत लगभग 1,54,900 से 1,55,100 के बीच बैठती है।

वहीं, 24 कैरेट सोने का भाव 1,44,920 से 1,45,080 प्रति 10 ग्राम है, जिसके आधार पर 1 तोला 24 कैरेट सोने की कीमत करीब 1,68,900 से 1,69,100 रुपए के आसपास है। सोने के दाम शहर और ज्वेलर्स के हिसाब से थोड़े अलग हो सकते हैं, और ज्वेलरी खरीदते समय मेकिंग चार्ज, जीएसटी व अन्य शुल्क अलग से जोड़े जाते हैं।

गोल्ड जूलर मास्टर चेन्स 400 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी के पास पहुंचा

नई दिल्ली ।

स्वर्ण आभूषण विनिर्माता और थोक वितरक कंपनी मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स लिमिटेड ने पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रारंभिक दस्तावेज जमा कराए हैं। प्रस्तावित आईपीओ में 400 करोड़ रुपए तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे, साथ ही एक प्रमोटर द्वारा 59.06 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी लाई जाएगी। कंपनी द्वारा दाखिल दस्तावेजों के अनुसार नए शेयरों के निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग मुख्य रूप से कार्यशील पूंजी संबंधी जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स अपनी विनिर्माण क्षमता और व्यापक थोक वितरण नेटवर्क के माध्यम से देशभर के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करती है। कंपनी के पास 80,000 से अधिक आभूषण डिजाइनों का एक विस्तृत संग्रह है।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई ।

एशिया के अधिकांश शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। जापान का निक्केई 225 करीब 0.35 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स लगभग 0.58 फीसदी जबूत रहा। अमेरिकी बाजारों में बीते शुक्रवार को मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। डॉव जोंस 0.46 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 0.05 फीसदी की मामूली तेजी रही। वहीं नैस्डैक कंपोजिट 0.64 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 776, निफ्टी 228 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट रही थी जिससे अब बाजार उबर गया है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 776.01 अंक बढ़कर 76,835.78 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 228.50 अंक उछलकर 23,995.95 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान 2646 शेयरों में तेजी रही जबकि 1530 शेयर गिरे जबकि 176 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया।

निफ्टी में सबसे ज्यादा बढ़त इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में रही। वहीं एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी बैंक और डॉ. रेड्डीज लैब्स के शेयरों में बढ़त रही। आज निफ्टी मीडिया में सबसे अधिक बढ़त रही। इसके बाद निफ्टी और निफ्टी रियल्टी का नंबर आता है जबकि निफ्टी ऑटो और निफ्टी फार्मा में अधिक बढ़त नहीं रही।

अन्य सेक्टरों की बात करें तो निफ्टी एफएमसीजी के अलावा निफ्टी बैंक और निफ्टी इंफ्रा में 0.66 फीसदी, व निफ्टी मेटल के शेयरों में बढ़त रही। व्यापक बाजारों की बात करें तो निफ्टी मिडकैप 100 में 1 फीसदी की बढ़त रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 1.3 फीसदी की तेजी आई।

वहीं आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में उछाल आया। सुबह शुरुआत में निफ्टी 50 156 अंक की बढ़त के साथ 23,923.05 के स्तर पर कारोबार किया। वहीं सेंसेक्स 537 अंक चढ़कर 76,596.31 पर पहुंच गया। यह बढ़त इस उम्मीद पर आधारित थी कि मध्य-पूर्व में सैन्य टकराव टल गया है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें नियंत्रण में रहेंगी।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

भारतीय रुपया सोमवार को 68 पैसे बढ़कर 95.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जबकि शुक्रवार को यह 96.57 पर बंद हुआ था। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सोमवार को 96.18 प्रति डॉलर पर खुला। हालांकि शुरुआती बढ़त का कुछ हिस्सा गंवाने के बाद यह 96.28 प्रति डॉलर पर कारोबार करता देखा गया। इसके बावजूद यह पिछले बंद भाव की तुलना में 28 पैसे की बढ़त में रहा। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और अमेरिका तथा ईरान की ओर से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेत मिलने के बाद वैश्विक बाजारों में बने सकारात्मक रुख से रुपये को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक भी ऊंचे स्तर से नीचे आया, जबकि घरेलू शेयर बाजार में मजबूत लिवाली का रुख देखने को मिला, जिससे स्थानीय मुद्रा को और मजबूती मिली। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.04 पर आ गया।

कच्चे तेल में भारी गिरावट, ब्रेंट 90 डॉलर के नीचे

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम, महंगे ईंधन के खतरे से भारत को मिली फौरी राहत

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव में नरमी के संकेतों के बीच वैश्विक कच्चे तेल के बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बीते दो दिनों से अमेरिका और ईरान के बीच एक-दूसरे पर रोक रहने से कच्चे तेल की कीमतें नरम पड़ गई हैं,

जिससे दुनियाभर में महंगे पेट्रोल-डीजल के बढ़ते खतरे को फौरी राहत मिली है।

सोमवार को इंट्राडे में ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे फिसलकर करीब 6.34 फीसदी टूट गया, वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी लगभग 6.31 फीसदी गिरकर 84.73 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक महीने में 20 फीसदी उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल पार करने के बाद यह राहत भरी गिरावट आई है। यह गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव कम होने का सीधा परिणाम है।

लगातार 13 रातों के हवाई हमलों के बाद पिछले दो दिन से खाड़ी देशों में शांति है। ईरान ने भी कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। ईरान समर्थित हूतियों के सऊदी अरामको पर हमले के दावे की पुष्टि न होने से भी बाजार ने राहत महसूस की।

अब तकनीकी रूप से बाजार ओवरबॉट जोन से बाहर आकर सामान्य होता दिख रहा है।

पतंजलि आटे में कीटनाशक की मात्रा ज्यादा पाई गई, कंपनी ने खेप वापस बुलाई

शेयर 37 फीसदी से ज्यादा गिरे, यह 552 से अब 344 रुपए के आसपास आ गया

मुंबई, ।

बाबा रामदेव की पतंजलि फूड्स के एक ब्रांडेड गेहूं के आटे की खेप में क्लोरपायरीफोस नामक कीटनाशक का अंश अधिकतम तय लिमिट से कहीं ज्यादा निकला जिसके कारण आटे की खेप वापस बुलानी पड़ी। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया, क्योंकि जांच में इस आटे में कीटनाशक की मात्रा तय सीमा से अधिक पाई गई। यह आदेश केरल के कोट्टायम में खाद्य सुरक्षा सहायक आयुक्त के कार्यालय की ओर से जारी किया गया था। दरअसल, इस खेप में क्लोरपायरीफोस नामक कीटनाशक का अंश अधिकतम तय लिमिट से कहीं ज्यादा निकला, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रिकॉल का आदेश 20 जुलाई को जारी हुआ था और पतंजलि फूड्स को यह 24 जुलाई को प्राप्त हुआ। कंपनी ने यह साफ नहीं किया है कि इस प्रभावित खेप का बैच नंबर क्या है, कितनी मात्रा में आटा प्रभावित हुआ है,

और यह आटा किन बाजारों में बेचा गया था।हालांकि, पतंजलि फूड्स ने यह भी कहा कि इस रिकॉल का उनके वित्तीय या परिचालन गतिविधियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, सिवाय उस प्रभावित खेप के मूल्य के, जिसे वापस मंगाया जा रहा है। पतंजलि फूड्स के लिए यह साल अच्छा नहीं जा रहा, खासकर इसके शेयरों में निवेश करने वाले निवेशकों का। पतंजलि फूड्स के शेयर इस साल अबतक 37 फीसदी से ज्यादा गिरे। यह 552 रुपए से अब 344 रुपए के आसपास आ गया। बाजार में कंपनी के आटे की खेप को मार्केट से वापस लेने की जानकारी के बाद पतंजलि फूड का शेयर सोमवार सुबह एक प्रतिशत से ऊपर चढ़कर 344.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। सोमवार को शुरुआती कारोबार में पतंजलि फूड्स के शेयर 341 रुपए प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे थे। हालांकि पिछले कुछ हफ्तों में शेयर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

बीती 15 जुलाई को ही कंपनी के शेयर में जनवरी 2020 के बाद से एक ही दिन में सबसे बड़ी गिरावट आई थी।

किआ की भारतीय बाजार में हाइब्रिड क्रांति की तैयारी

हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ पेश करेगी माइलेज-फ्रेंडली कारें

मुंबई ।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हाइब्रिड वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए दक्षिण कोरियाई कार निर्माता किआ भारत में अपने हाइब्रिड लाइनअप को आक्रामक रूप से विस्तार देने की तैयारी में है।

पेट्रोल-डीजल की ऊंची लागत और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सीमित चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते, कंपनी आने वाले वर्षों में प्रीमियम एसयूवी से लेकर कॉम्पैक्ट और एमपीवी सेगमेंट तक कई स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड मॉडल पेश करने की रणनीति पर काम कर रही है। किआ अपनी वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय एसयूवी सोरेंटो हाइब्रिड के साथ भारतीय प्रीमियम सेगमेंट में प्रवेश करेगी, जिसमें 1.6-लीटर टर्बो-पेट्रोल स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन मिलने की उम्मीद है। यह कार बेहतर माइलेज और फीचर्स चाहने वाले ग्राहकों को आकर्षित करेगी।

इसके बाद कंपनी अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली सेल्टोस एसयूवी का हाइब्रिड संस्करण लाने पर विचार कर रही है। मारुति ग्रैंड विटारा और टोयोटा हाइराइडर जैसी हाइब्रिड गाड़ियों के बढ़ते दबदबे को देखते हुए,

इसमें 1.5-लीटर पेट्रोल आधारित स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सिस्टम दिया जा सकता है, जो शानदार पिकअप और माइलेज प्रदान करेगा। एमपीवी सेगमेंट में, किआ कैरेंस और उसके आगामी वेरिएंट्स में भी हाइब्रिड पावरट्रेन मिल सकता है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा और वाणिज्यिक उपयोग के लिए रनिंग कॉस्ट में कमी आएगी। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में सोनट के अगली पीढ़ी के मॉडल में 1.2-लीटर पेट्रोल-बेस्ड स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सेटअप की योजना है, जो शहरी ट्रैफिक में ईंधन दक्षता को दोगुना कर देगा। ऑटो विशेषज्ञों का मानना है.

कि ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और रेंज एंग्जाइटी जैसी चुनौतियों के बीच, स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड तकनीक ग्राहकों को शानदार माइलेज और कम उत्सर्जन का बेहतरीन संतुलन प्रदान करती है।

टेलीकॉम डेटा अब सिर्फ भारत में ही होगा स्टोर

दूरसंचार विभाग ने टेलीकम्युनिकेशन एक्ट 2023 के तहत जारी किए नए नियम

मुंबई ।

केंद्र सरकार ने डिजिटल सुरक्षा मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने टेलीकम्युनिकेशन एक्ट 2023 के तहत नए नियम लागू किए हैं, जिनके अनुसार अब टेलीकॉम नेटवर्क से जुड़ा कोई भी डेटा भारत के बाहर स्टोर या ट्रांसफर नहीं किया जा सकेगा। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और संवेदनशील जानकारी को देश के भीतर सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लिया गया है। नए नियमों के तहत, कॉल, मैसेज और नेटवर्क से जुड़ी सभी जानकारी अब देश के भीतर ही सुरक्षित रखनी होगी। मोबाइल टॉवर कंपनियों, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं और क्लाउड नेटवर्क सेवा देने वालों को डेटा भारतीय सर्वर पर ही स्टोर करना अनिवार्य होगा।

इससे संवेदनशील डेटा की सुरक्षा बेहतर होगी और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई आसान बनेगी। जरूरत पड़ने पर सरकार को किसी भी नेटवर्क की जांच और ऑडिट का अधिकार होगा, राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में बिना पूर्व सूचना कार्रवाई संभव होगी। इन नियमों का असर डेटा सेंटर उद्योग पर भी पड़ेगा, जिससे नए डेटा सेंटर और निवेश-रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

बैंक अगस्त में 14 दिन बंद रहेंगे, जा निए कब-कब रहेगा अवकाश

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन समेत कई त्योहारों और साप्ताहिक अवकाशों से कामकाज रहेगा प्रभावित

नई दिल्ली ।

अगर आप अगस्त में बैंक जाकर ड्राफ्ट बनवाने या चेक क्लियरेंस जैसा कोई जरूरी काम निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो अपने प्लान पर फिर से विचार कर लें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हॉलिडे कैलेंडर के मुताबिक, अगले साल अगस्त में कुल 14 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा, जिससे ग्राहकों को असुविधा हो सकती है। ये अवकाश साप्ताहिक छुट्टियों (रविवार और दूसरे व चौथे शनिवार) के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन जैसे बड़े राष्ट्रीय पर्वों और विभिन्न क्षेत्रीय त्योहारों के चलते होंगे। इसका मतलब है कि लगभग आधा महीना बैंकों में कामकाज नहीं होगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई या एक्सिस बैंक सहित सभी प्रमुख बैंकों की शाखाएं इन दिनों बंद रहेंगी। हालांकि, अलग-अलग राज्यों के हिसाब से छुट्टियों की तारीखों में थोड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, अलग-अलग राज्यों के हिसाब से छुट्टियों की तारीखों में थोड़ा बदलाव हो सकता है। बैंक ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे असुविधा से बचने के लिए अपने बैंकिंग कार्य समय से पहले ही निपटा लें, ताकि किसी भी जरूरी काम में देरी न हो।

अगस्त 2026 में कब-कब बंद रहेंगे बैंक

- 2 अगस्त (रविवार)= साप्ताहिक छुट्टी की वजह से पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।
- 4 अगस्त= केर पूजा की वजह से केवल अगरतला में बैंक बंद रहेंगे।
- 8 अगस्त (शनिवार)= महीने के दूसरे शनिवार की वजह से देशभर में बैंक अवकाश।
- 9 अगस्त (रविवार)= पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।
- 13 अगस्त= पैट्रियट्स डे की वजह से इंफाल में बैंक बंद.
- 15 अगस्त (शनिवार)= स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बैंकों की छुट्टी।
- 16 अगस्त (रविवार)= पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।
- 19 अगस्त= महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर जयंती की वजह से अगरतला में बैंक बंद।
- 22 अगस्त (शनिवार)= महीने का चौथे शनिवार की साप्ताहिक छुट्टी।
- 23 अगस्त (रविवार)= पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।
- 25 अगस्त= मिलाद-उन-नबी / पहला ओणम (कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे)।
- 26 अगस्त= ईद-ए-मिलाद / तिरुवोनम की वजह से दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल, बेंगलुरु समेत कई बड़े शहरों में बैंक बंद रहेंगे।
- 28 अगस्त= रक्षाबंधन / श्री नारायण गुरु जयंती की वजह से बैंक अवकाश।
- 30 अगस्त (रविवार)= पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।

एटीएम रहेंगे चालू, ऑनलाइन सर्विस भी नहीं होगी बंद= भले ही बैंकों के ताले लटके रहेंगे, लेकिन आपको घबराने की जरूरत नहीं है। डिजिटल बैंकिंग सेवाएं बिना रुकावट चलती रहेंगी। एटीएम कैश निकालने और जमा करने के लिए चालू रहेंगे। मोबाइल ऐप और इंटरनेट बैंकिंग से लेन-देन पहले की तरह आराम से कर सकेंगे। फंड ट्रांसफर के लिए आईएमपीएस और नीट जैसी सुविधा भी जारी रहेगी।

फ्लिपकार्ट की एंट्री से फूड डिलीवरी बाजार में हलचल, स्विगी-जोमैटो के शेयर धड़ाम

मुंबई, ।

भारत के ऑनलाइन फूड डिलीवरी बाजार में जुलाई 2026 के अंतिम सप्ताह में एक बड़ा बदलाव आया है। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट ने क्षेत्र में प्रवेश की घोषणा कर मौजूदा खिलाड़ियों स्विगी और जोमैटो की मूल कंपनी इटरनल के निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इस घोषणा के बाद दोनों कंपनियों के शेयरों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जो बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा की आशंका को दिखाता है।

फ्लिपकार्ट ने अगले कुछ हफ्तों में बेंगलुरु में पायलट प्रोजेक्ट के साथ अपनी ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेवा शुरू करने की योजना बनाई है। इस कदम से निवेशकों में आशंका पैदा हो गई है कि अब तक इस क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखने वाली कंपनियों को भविष्य में कीमतों और कमीशन को लेकर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। फ्लिपकार्ट जैसी बड़ी पूंजी और तकनीकी क्षमता वाली कंपनी के आगमन से बाजार में डिस्काउंट और कमीशन वॉर तेज होने की उम्मीद है।

फ्लिपकार्ट की घोषणा के बाद स्विगी के शेयरों में इंट्राडे कारोबार के दौरान करीब 7 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि, इस गिरावट की एक वजह निवेशकों की मुनाफावसूली भी रही। इसके अतिरिक्त, स्विगी द्वारा विदेशी शेयरधारिता की सीमा को 49.5 प्रतिशत तक सीमित करने के प्रस्ताव ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से कंपनी कुछ विदेशी सूचकांकों से बाहर हो सकती है, जिससे विदेशी निवेश में निकासी का जोखिम बढ़ सकता है।

जोमैटो की मूल कंपनी इटरनल पर भी फ्लिपकार्ट की संभावित एंट्री का असर दिखा, और उसके शेयरों में कारोबार के दौरान तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज हुई। निवेशकों का मानना है कि पूंजी और तकनीकी क्षमता से लैस फ्लिपकार्ट के बाजार में उतरने से मौजूदा कंपनियों के लिए ग्राहकों को बनाए रखना और अपनी बाजार हिस्सेदारी को सुरक्षित रखना अधिक चुनौतीपूर्ण होगा।

एनटीपीसी को घरेलू बाजार से 12,000 करोड़ जुटाने बोर्ड की हरी झंडी

कंपनी नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर के जरिए करेगी फंडरेज़, शेयरधारकों की मंजूरी अनिवार्य

नई दिल्ली ।

सरकारी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी (एनटीपीसी) ने अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी के बोर्ड ने घरेलू बाजार से 12,000 करोड़ रुपये तक की राशि जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। हालांकि, इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए पहले शेयरधारकों की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यह फंड विभिन्न विस्तार परियोजनाओं और पूंजीगत खर्चों के लिए उपयोग किया जा सकता है। एनटीपीसी यह राशि नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी करके जुटाएगी। कंपनी के पास सिक्योर्ड या अनसिक्योर्ड, टैक्सेबल या टैक्स-फ्री और क्यूमुलेटिव या नॉन-क्यूमुलेटिव एनसीडी जारी करने का विकल्प होगा, जो बाजार की परिस्थितियों और कंपनी की जरूरतों पर निर्भर करेगा। यह पूरा फंड घरेलू बाजार से प्राइवेट प्लेसमेंट के माध्यम से अधिकतम 12 अलग-अलग किश्तों (ट्रेंच) में जुटाया जाएगा, जिससे कंपनी अपनी जरूरत के हिसाब से पूंजी आकर्षित कर सकेगी। कंपनी के अनुसार, यह फंड जुटाने की योजना शेयरधारकों द्वारा विशेष प्रस्ताव के तहत मंजूर होने के बाद प्रभावी होगी। इसके बाद, कंपनी एक साल की अवधि तक या वित्त वर्ष 2027-28 की अगली सालाना आम बैठक तक, जो भी पहले हो, एनसीडी जारी कर सकेगी। प्रत्येक किश्त में जारी होने वाले एनसीडी की अवधि, ब्याज दर, सिक्योरिटी स्ट्रक्चर और लिस्टिंग जैसी शर्तें जारी करने के समय तय की जाएंगी।

आईफोन 18 प्रो सीरीज= सुधार पर जोर, कीमत बढ़ने की आशंका!

मुंबई ।

एप्पल की अगली पीढ़ी के आईफोन 18 प्रो सीरीज= को लेकर इंटरनेट पर अफवाहों का बाजार गर्म है। हालांकि कंपनी ने कोई पुष्टि नहीं की है, लीक रिपोर्ट्स में इसके संभावित डिज़ाइन, डिस्प्ले, प्रोसेसर और कैमरा से जुड़े अहम खुलासे हुए हैं।` रिपोर्ट के अनुसार आईफोन 18 प्रो का डिज़ाइन मौजूदा मॉडल जैसा ही रहेगा, लेकिन कुछ नए कलर ऑप्शन और छोटे डायनामिक आइलैंड देखने को मिल सकते हैं, जिसमें फेस आईडी सेंसर डिस्प्ले के नीचे होंगे। डिस्प्ले में नई तकनीक का इस्तेमाल होगा, जिससे बिजली की खपत कम होगी और बैटरी लाइफ बेहतर होगी। स्क्रीन का आकार पहले जैसा रहने की संभावना है। परफॉर्मेंस के लिए इसमें एप्पल का अगला ए20 प्रोसेसर मिलने की उम्मीद है, जो टीएसएमसी की 2 नैनोमीटर तकनीक पर आधारित होगा। यह चिपसेट मौजूदा मॉडल से तेज़ और ज़्यादा पावर एफिशिएंट होगा, जिससे एआई फीचर्स और मल्टीटास्किंग बेहतर होगी। कैमरे में वेरिएबल अपर्चर के साथ बेहतर मेन लेंस और सुधारित टेलीफोटो कैमरे की संभावना है, जिससे कम रोशनी में भी अच्छी तस्वीरें मिलेंगी। हालांकि, सबसे बड़ी चर्चा इसकी कीमत को लेकर है, जो मेमोरी और कच्चे माल की बढ़ती लागत के कारण पिछले मॉडल के मुकाबले बढ़ सकती है। यह सभी जानकारियां अभी लीक पर आधारित हैं, और एप्पल की आधिकारिक घोषणा के बाद ही पूरी तस्वीर साफ होगी।

जूनिपर ग्रीन एनर्जी आईपीओ का मूल्य दायरा तय

1800 करोड़ का निर्गम 214-225 रुपये प्रति शेयर के दायरे में

नई दिल्ली । नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी जूनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने सोमवार को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा घोषित कर दिया। यह निर्गम 30 जुलाई को खुलकर 3 अगस्त को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 214-225 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है, जिससे 1,800 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। ऊपरी मूल्य दायरे पर इसका बाजार पूंजीकरण करीब 12,802 करोड़ रुपये आंका गया है। यह आईपीओ पूरी तरह नए इक्विटी शेयरों का है। निर्गम का 50 फीसदी योग्य संस्थागत खरीदारों, 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों और 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तमिलनाडु के सीएम विजय देंगे सिल्वर मेडल

जीतने वाले वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी को 30 लाख नकद इनाम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी के लिए 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा की है। मुथुपांडी ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता था। मुथुपांडी को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इनाम उनके शानदार प्रदर्शन के सम्मान में दिया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि मेडल जीतने की यह उपलब्धि राज्य भर के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। मुथुपांडी ने कुल 286 किग्रा (126 किग्रा + 160 किग्रा) का भार उठाया। मुथुपांडी ने 125 किग्रा स्नैच के सफल प्रयास से शुरुआत की और फिर अपने दूसरे प्रयास में इसे बढ़ाकर 126 किग्रा कर दिया। वे अपने आखिरी प्रयास में 129 किग्रा का भार नहीं उठा पाए। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने सफलतापूर्वक 158 किग्रा और 160 किग्रा का भार उठाया, लेकिन अपने आखिरी प्रयास में 170 किग्रा उठाने में असफल रहे। इस प्रयास से उन्हें सिल्वर मेडल मिला। इस उपलब्धि को तमिलनाडु और भारत के लिए गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री विजय ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के जरिए युवा वेटलिफ्टर को बधाई दी। उन्होंने मुथुपांडी के प्रदर्शन को रिकॉर्ड बनाने वाली उपलब्धि बताया और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके दृढ़ संकल्प की सराहना की। 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार एथलीट की सफलता को राज्य के सर्वोच्च खेल पुरस्कारों में से एक से सम्मानित करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुथुपांडी की उपलब्धि उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने और तमिलनाडु को और अधिक पहचान दिलाने के लिए प्रेरित करेगी। विजय ने कहा, मैं ग्लासगो में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर राजा मुथुपांडी को दिल से बधाई देता हूं। उनकी सफलता तमिलनाडु के लिए बहुत गर्व की बात है।

वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट प्लेयर

सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड टूटा, इस साल टी-20 में 86 छक्के लगाए

हरारे (एजेंसी)। भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटरनेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए। हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं।

सूर्यवंशी ने पहला प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता: सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे।

सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय: सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने। सिएरा लिओन के एलुसिन तुरे इंटरनेशनल में प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 15 साल 74 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था।

सूर्यवंशी की इंटरनेशनल में दूसरी फिफ्टी: सूर्यवंशी ने 16 साल की उम्र से पहले इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में दूसरी फिफ्टी लगाई। उनके अलावा नेपाल के कुशल मल्ला ने 16 साल की उम्र से पहले एक बार 50+ स्कोर बनाया था।

सूर्यवंशी इस साल सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय: सूर्यवंशी एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले भारतीयों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वे इस साल सभी टी-20 मैच मिलाकर 86 छक्के लगाकर लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। इस मामले में अभिषेक शर्मा पहले स्थान हैं। उन्होंने 2025 में 108 छक्के लगाए थे।टी-20 में कम से कम 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में सूर्यवंशी का प्रति बॉल सिक्स औसत सबसे बेहतर है।

दो बार के ओलंपियन साजन ने प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

ग्लास्गो (एजेंसी)। दो बार के ओलंपियन भारतीय तैराक साजन प्रकाश ने सोमवार को यहां एक मिनट 58.59 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर) में दूसरे स्थान पर रहते हुए राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। स्कॉटलैंड के डंकन स्कॉट एक मिनट 58.29 सेकेंड के साथ समय के साथ शीर्ष पर रहे। साजन अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पीछे रहे। इस 31 वर्षीय भारतीय ने इसी साल सिंगापुर राष्ट्रीय आयु वर्ग तैराकी चैंपियनशिप में एक मिनट 57.09 सेकेंड का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप :

ईशा सिंह ने जीता गोल्ड, मनु भाकर को ब्रॉन्ज मेडल

हांगझू (चीन)(एजेंसी)। चीन के हांगझू में हो रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में भारतीय पिस्टल स्टार ईशा सिंह और मनु भाकर ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीते और प्रतियोगिता में भारत का शानदार सफर जारी रखा। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की प्रेस रिलीज के अनुसार ईशा ने फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 40 हिट के साथ गोल्ड मेडल पक्का किया, जबकि पेरिस 2024 में दो ओलंपिक मेडल जीतने वाली मनु भाकर ने कड़े मुकाबले का सामना करते हुए एक अहम शूट-ऑफ जीता और 28 हिट के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन राउंड में ही बेहतरीन शुरुआत की। मनु भाकर 586-203 के शानदार स्कोर के साथ क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में टॉप पर रहीं, जबकि ईशा सिंह 585-183 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और आसानी से फाइनल में जगह बनाई। एशियाई खेलों की पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट राही सरनोबत ने 582-163 का स्कोर किया, जबकि सिमरनप्रीत कौर बराड़ (576-203) और अभिज्ञा अशोक पाटिल (573-163) ने रैंकिंग पॉइंट्स ओनली स्टेटस के तहत खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया।

इस सीजन की शुरुआत में म्यूनिख में वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड-तोड़ गोल्ड मेडल जीतने के बाद मानसिक दबाव से उबरने के बारे में बात करते हुए ईशा सिंह ने कहा, यह मैच मेरे लिए बहुत दबाव वाला था क्योंकि मेरे पास पहले से ही एक मेडल था। आप अपने इवेंट में जितना बेहतर करते हैं, आपको उतनी ही ज्यादा प्रतिष्ठा का बोझ महसूस होता है जिसे आपको पार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं आज इससे उबर पाई और शुक्रगुजार हूं कि मुझमें इसे सहने की क्षमता थी। मुझे हांगझू में मुकाबला करना बहुत पसंद है। एशियाई खेलों के दौरान हुए मुकाबले को याद करते हुए, जहां मैंने चार मेडल जीते थे, मैं यहां वापस आने के लिए बहुत उत्साहित थी। फाइनल हॉल में रेंज, लाइटिंग और माहौल से वाकिफ होना निश्चित रूप से मेरे पक्ष में रहा।

मैच के बाद अपने प्रदर्शन और आने वाले सीजन के लिए मोमेंटम बनाने के बारे में बात करते हुए मनु भाकर ने कहा, यह मेडल बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक सीढ़ी की तरह काम करता है। इससे मुझे स्पष्टता मिलती है कि क्या काम कर रहा है और मैं किस दिशा में आगे बढ़ना चाहती हूं। मेडल निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ाता है, लेकिन इस प्रतिस्पर्धी मैच से मुझे जो अनुभव मिला है, वह वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियाई खेलों जैसे बड़े आयोजनों की तैयारी में और भी अधिक मददगार साबित होगा।

हैदराबाद की 21 वर्षीय ईशा सिंह के लिए गोल्ड मेडल करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ता है। इससे पहले इस सीजन में म्यूनिख में ट्वस्स्न वर्ल्ड कप में ईशा ने फाइनल में 43 हिट के साथ सीनियर और जूनियर दोनों वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रचा था। पेरिस 2024 ओलंपियन और अर्जुन अवार्डी, ईशा दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में अपनी जगह बना रही हैं।

मनु भाकर के लिए ब्रॉन्ज मेडल ग्लोबल स्टेज पर उनके शानदार प्रदर्शन को और मजबूत करता है, खासकर उनके ऐतिहासिक पेरिस 2024 ओलंपिक अभियान के बाद जहां वह खेलों के एक ही संस्करण में दो मेडल जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली एथलीट बनी थीं।

रन-अप में बदलाव का मिला फायदा, रवि बिश्नोई का जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में दमदार प्रदर्शन

हरारे (एजेंसी)। भारत के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से जीती गई टी20 सीरीज के बाद अपनी शानदार वापसी का राज बताया। बिश्नोई ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर हुई गलतियों के बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में अपनी रन-अप पर कड़ी मेहनत की और अब उसका सकारात्मक परिणाम मैदान पर देखने को मिल रहा है। जिम्बाब्वे दौरे पर बिश्नोई ने तीन विकेट झटके और भारत की क्लीन स्वीप में अहम भूमिका निभाई।

इंग्लैंड दौरे की गलती से लिया सबक

रवि बिश्नोई के लिए इंग्लैंड दौरा बेहद निराशाजनक रहा था। मैनचेस्टर टी20 में उन्होंने तीन बैक-फुट नो-बॉल फेंकी थीं और 60 रन खर्च किए थे। उस मुकाबले के बाद उनकी गेंदबाजी और खासकर रन-अप को लेकर सवाल उठे। इसके बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पूर्व स्पिनर सैराज बहुतुले और सुनील जोशी की निगरानी में अपनी तकनीक पर काम किया।

गलतियां सुधारीं, अब नतीजे सामने हैं

सीरीज खत्म होने के बाद रवि बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी की कमियों पर मेहनत की और कोचिंग स्टाफ से लगातार मदद मिली।रवि बिश्नोई ने कहा, मैंने उन चीजों पर काम किया जिनमें सुधार की जरूरत थी, क्योंकि मेरी गेंदबाजी में कुछ गलतियां आ गई थीं। अब उन पर काम करने का फायदा मिल रहा है और उसके नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, कोचों ने मेरा काफी समर्थन किया और बताया कि मुझे किन पहलुओं पर काम करना है। मेरा रन-अप थोड़ा ज्यादा वाइड हो गया था, जो आमतौर पर नहीं होता, लेकिन दुर्भाग्य से इंग्लैंड वाले मैच में बार-बार ऐसा हुआ।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026

भारत को बड़ा झटका

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुरिंदरवीर सिंह का 100 मीटर हीट में सफर समाप्त

ग्लास्को (एजेंसी)। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत की सबसे बड़ी एथलेटिक्स पदक उम्मीदों में शामिल गुरिंदरवीर सिंह पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा के शुरुआती हीट से आगे नहीं बढ़ सके। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारतीय धावक सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, जिससे भारत की एथलेटिक्स में पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

गुरिंदरवीर ने मई 2026 में रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर इतिहास रचा था। वह 10.10 सेकंड से कम समय में 100 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष धावक बने थे। इस प्रदर्शन के बाद उनसे राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें थीं, लेकिन अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके।

अब हाई जंप पर टिकी भारत की नजर

गुरिंदरवीर के बाहर होने के बाद अब भारतीय एथलेटिक्स दल की उम्मीदें पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा पर टिकी हैं। फाइनल में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे, पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर और आदर्श राम ज्योति शंकर भारत की चुनौती पेश करेंगे। सर्वेश कुशारे हाल ही में 2.31 मीटर की

छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में तीसरा स्थान हासिल कर शानदार फॉर्म का भी परिचय दिया था।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पहुंचे थे ग्लास्गो

गुरिंदरवीर ने फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाते हुए अनिमेष कुजूर के एक दिन पहले बने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था। इसी वजह से उन्हें ग्लास्गो में भारत के संभावित पदक विजेताओं में गिना जा रहा था।

10.39 सेकंड का समय भी नहीं दिला सका सेमीफाइनल का टिकट

100 मीटर हीट में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.39 सेकंड का समय निकाला। हालांकि यह प्रदर्शन सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। सभी 11 हीट समाप्त होने के बाद गुरिंदरवीर 73 धावकों में 28वें स्थान पर रहे। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष 17 धावकों को जगह मिली। रिपोर्ट के अनुसार यदि गुरिंदरवीर 10.24 सेकंड का समय निकालते तो वह अगले दौर के लिए क्वालिफाई कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

सौम्य सरकार की 5 साल बाद वापसी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो को सौंपी गई है। बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सौम्य सरकार को शामिल किया गया है। सौम्य आखिरी बार 2021 में टेस्ट फॉर्मेट में खेले थे। दूसरी तरफ, 2023 की डब्ल्यूटीसी चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही इस सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर चुकी है।

पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, अमीत हसन, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उप-कप्तान), तैजुल इस्लाम, तास्किन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, इबादत हुसैन चौधरी, मुश्फिक हसन।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसे बनाएं अपने लिविंग रूम को खूबसूरत और हटके? ट्राई करें ये बेहतरीन प्रोडक्ट्स

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है।

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है। लेकिन क्या आपका लिविंग रूम अब बोरिंग और पुराना हो गया है? क्या आपको भी लगता है कि इस जगह को थोड़ा नयापन चाहिए, वो भी बिना ज़्यादा खर्च किए? अगर हाँ, तो आपको बस अपनी सजावट में थोड़ा क्रिएटिव टच जोड़ने की ज़रूरत है। आइए जानते हैं कुछ बेहतरीन और आसान डेकोरेशन टिप्स जो आपके लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ा देंगे।

दीवारों को सजाएँ

दीवारें किसी भी कमरे का मूड सेट करती हैं। आप अपने लिविंग रूम की दीवारों को हल्के पेस्टल शेड्स से पेंट कर सकते हैं या वॉलपेपर लगा सकते हैं। आजकल ट्रेंडी वॉल आर्ट भी काफी पसंद किए जा रहे हैं।

कुशन और पर्दों से मूड बदलें

लिविंग रूम में सोफ़े या कुर्सी का लुक बदलना मुश्किल हो सकता है, लेकिन आप कुशन कवर और पर्दों को बदलकर पूरे कमरे का लुक आसानी से बदल सकते हैं। चटख, कॉन्ट्रास्टिंग रंगों और पैटर्न वाले कपड़ों का इस्तेमाल करें। मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, गर्मियों में सूती और सर्दियों में मखमल या रेशमी।

पौधे लगा सकते हैं

पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि आपके घर को एक प्राकृतिक और ताज़ा रूप भी देते हैं। स्नेक प्लांट, मनी प्लांट या एरेका पाम जैसे इनडोर पौधे आपके लिविंग रूम को सुंदर और शांत बना सकते हैं। कोने की मेज या खिड़की पर छोटे पौधे सजाएँ।

प्रकाश व्यवस्था का सर्वोत्तम उपयोग करें

सिर्फ़ अच्छी रोशनी ही लिविंग रूम के रूप को निखार सकती है। हल्की पीली लाइटें, फ्लोर लैंप या फेयरी लाइटें कमरे को आरामदायक और आकर्षक बना सकती हैं। सेंटर लाइट के साथ कुछ साइड लैंप भी लगाएँ।

एक्सेसरीज़ से जोड़ें अपना निजी स्पर्श

फोटो फ्रेम, कैंडल स्टैंड, बुक शेल्फ़ या हाथ से बनी कलाकृतियाँ, ये सभी आपके लिविंग रूम को अनोखा और आपके व्यक्तित्व के अनुरूप बना सकते हैं।

लिविंग रूम को नया रूप देना कोई महंगा या मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ी सी रचनात्मक सोच, कुछ किफायती सजावट के आइडिया और सही संयोजन से, आप अपने लिविंग रूम को स्टाइलिश, सुंदर और खास बना सकते हैं। तो देर किस बात की? इन सुझावों को आजमाएँ और अपने घर को एक नया और ताज़ा एहसास दें।

घर हमेशा दिखता है बिखरा और गंदा? ऑर्गेनाइज करने के लिए फॉलो करें 7 टिप्स, लाइफ बनेगी आसान

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में साफ-सुथरे और ऑर्गेनाइज्ड घर की चाहत तो सबको होती है, लेकिन समय की कमी, थकान और दिनभर के तनाव के बीच अक्सर घर बिखरा हुआ और अस्त-व्यस्त नजर आता है। चाहे आप गृहिणी हों, ऑफिस जाने वाले प्रोफेशनल या स्टूडेंट — गंदा और बिखरा घर मानसिक शांति को भी प्रभावित करता है। साइकोलॉजिकल स्टडीज़ भी बताती हैं कि साफ और व्यवस्थित घर में रहने वाले लोग अधिक फोकस्ड और मानसिक रूप से शांत रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ आसान आदतों और स्मार्ट टिप्स को अपनाकर अपने घर को साफ और ऑर्गेनाइज रख सकें। यहां हम आपको बता रहे हैं 7 आसान और कारगर टिप्स, जिन्हें फॉलो करके न सिर्फ आपका घर हमेशा चमकता रहेगा, बल्कि आपकी लाइफ भी बेहतर और आसान बन जाएगी।

1. हर चीज़ की तय जगह बनाएं

घर में जितनी चीजें हैं, अगर उनकी एक फिक्स जगह तय हो जाए तो आधा काम वहीं खत्म हो जाता है। चाबियों के लिए की-होल्डर, रिमोट्स के लिए बॉक्स और जूतों के लिए शू-रैक जैसे साधारण उपाय घर को ऑर्गेनाइज रखने में मदद करते हैं।

2. वन इन, वन आउटफ्न रूल अपनाएं

जब भी कोई नई चीज़ घर लाएं, तो एक पुरानी या अनुपयोगी चीज़ को बाहर निकाल दें। इससे फालतू सामान जमा नहीं होगा और घर में जगह भी बनी रहेगी।

3. 10 मिनट क्लीनिंग रूटीन

हर दिन सिर्फ 10 मिनट का समय घर की सफाई को दें। आप चाहें तो सुबह उठते ही या रात सोने से पहले ये कर सकते हैं। इससे गंदगी जमा नहीं होगी और सफाई एक बोझ की तरह महसूस नहीं होगी।

4. स्मार्ट स्टोरेज का करें इस्तेमाल

बाजार में आजकल स्टोरेज बॉक्स, प्लास्टिक कंटेनर और ऑर्गेनाइजर डिवाइडर उपलब्ध हैं। इनका इस्तेमाल करके आप कपड़ों, बर्तनों, किताबों या बच्चों के खिलौनों को अच्छी तरह जमा सकते हैं।

5. साप्ताहिक %डिक्लटर डे%

हफ्ते में एक दिन ऐसा रखें जब आप घर की अनावश्यक चीजों की छंटाई करें। पुराने अखबार, खराब इलेक्ट्रॉनिक्स या बेकार कपड़े – जो भी ज़रूरी नहीं है, उसे अलग करें।

6. रात में 5 मिनट का राउंड

सोने से पहले घर का एक चक्कर लगाएं और देखें कि कौन सी चीज अपनी जगह से हट गई है। उन्हें वापस रख दें। इससे सुबह उठने पर घर साफ मिलेगा और दिन की शुरुआत बेहतर होगी।

7. नो डंप ज़ोनफ्न बनाएं

ऐसे स्थान तय करें जहां कोई भी चीज़ बिना सोचे-समझे न रखी जाए, जैसे डाइनिंग टेबल, सेंटर टेबल या एंट्रेंस एरिया। यह आदत आपके घर की सुंदरता बनाए रखेगी।

नया घर बनाते समय इन बातों का जरूर रखें ध्यान वरना उठाना पड़ेगा भारी नुकसान

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है।

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है। जब आप घर बनवा रहे होते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है ताकि वह रहने के लिए एक अच्छा और सुखद स्थान बन जाए। क्योंकि घर रोज-रोज नहीं बनता, इसलिए घर बनवाते समय वास्तु का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने के लिए कुछ नियमों का पालन किया जाता है। इससे घर में रहने वाले लोगों की खुशियां और तरक्की बढ़ती है। वास्तु शास्त्री अंशुल त्रिपाठी बता रहे हैं कि घर बनवाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भूमि पूजन घर बनवाने से पहले भूमि पूजन करना बहुत शुभ माना जाता है। धरती को मां माना जाता है, इसलिए घर बनवाते समय खुदाई शुरू करने से पहले उसका सम्मान करना जरूरी होता है। इसे शुभ शुरुआत माना जाता है और इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

कुआं

घर बनवाते समय उत्तर-पूर्व दिशा में कुआं खोदें और उसी पानी का इस्तेमाल घर बनवाने में करें। इससे सौभाग्य की प्राप्ति होती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में कुआं बनवाना अशुभ माना जाता है, इससे घर में परेशानी आ सकती है।

दरवाजा

दक्षिण-पश्चिम दिशा में कोई दरवाजा नहीं होना चाहिए। उत्तर या पूर्व दिशा में दरवाजा शुभ माना जाता है। दरवाजे अंदर की ओर खुलने चाहिए, ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करे। बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजे से सकारात्मक ऊर्जा बाहर की ओर प्रवाहित होती है।

पानी की निकासी

घर का गंदा पानी भी उत्तर-पूर्व दिशा में ही निकलना चाहिए।

पुराना घर खरीदते समय

अगर आप पुराना घर खरीद रहे हैं, या खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो उसे जरूर रंगवा लें। अगर आप खुद रंगवा सकते हैं या उसमें मदद कर सकते हैं, तो और भी अच्छा रहेगा। ऐसा करने से घर में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं आएगी।

घर बनवाते समय इन बातों का रखें ध्यान

मुख्य द्वार के सामने लगे पेड़ को हटाना।

बेडरूम में पलंग को दीवार से सटाकर रखें।

रसोई में गैस चूल्हे का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए।

मंदिर घर के उत्तर-पूर्व कोने में होना चाहिए।

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

घर का लेआउट और व्यवस्था हमारे स्वास्थ्य और खुशी को प्रभावित कर सकती है।

हमेशा बिखरी हुई रहती है अलमारी, इन 5 तरीकों से रखें ऑर्गेनाइज नहीं होगी कपड़े ढूंढने में तकलीफ

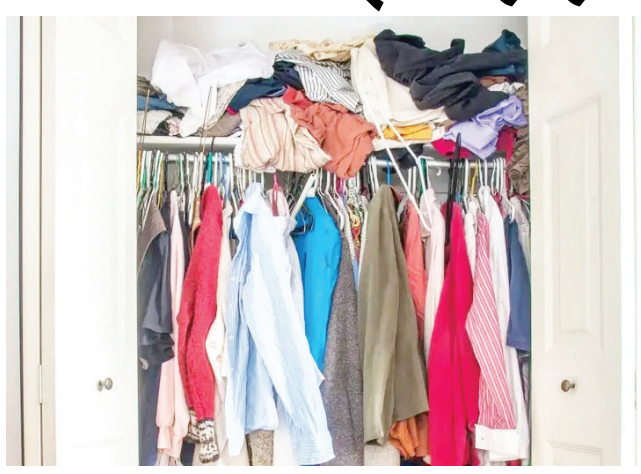

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है?

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है? दरअसल, हम अनजाने में कुछ ऐसी गलतियाँ कर देते हैं जिनकी वजह से हमारी अलमारी हमेशा अव्यवस्थित रहती है। लेकिन अगर आप चाहें, तो छोटे-छोटे बदलावों से अलमारी को पूरी तरह साफ़, सुथरा और व्यवस्थित बना सकते हैं, तो आइए जानते हैं कि आप अपनी अलमारी को कैसे व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि आपके कपड़े व्यवस्थित और व्यवस्थित रहें।

पुराने और टाइट कपड़े हटाएँ

कई बार हम अलमारी में ऐसे कपड़े रख देते हैं जो अब हमें फिट नहीं आते या जिन्हें हमने पहनना बंद कर दिया है। ये कपड़े न सिर्फ़ जगह घेरते हैं बल्कि ज़रूरत के कपड़े ढूँढ़ना भी मुश्किल बना देते हैं। अगर आपके पास भी ऐसे कपड़े हैं, तो समय-समय पर उन्हें व्यवस्थित करना ज़रूरी है।

व्यवस्था प्रणाली अपनाएँ

जब अलमारी में कपड़ों को व्यवस्थित तरीके से रखने या रोज़मर्रा के कपड़ों को एक साथ रखने जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, तो चीज़ें जल्दी बिखर जाती हैं। अगर आप अपने कपड़ों को रोज़ाना सही और व्यवस्थित तरीके से रखें, तो चीज़ें आसानी से बिखर सकती हैं।

गलत हैंगर का इस्तेमाल

कई लोग भारी जैकेट या कोट के लिए कमज़ोर प्लास्टिक के हैंगर इस्तेमाल करते हैं जिससे कपड़े गिर जाते हैं या खराब हो जाते हैं। हर कपड़े के लिए सही हैंगर का इस्तेमाल करना बहुत ज़रूरी है ताकि कपड़े अपनी शेप में रहें और अलमारी साफ़-सुथरी दिखे। इसलिए भारी कपड़ों के लिए अलग और हल्के कपड़ों के लिए अलग हैंगर रखें।

अलमारी में जगह कम होना

कई लोगों की अलमारी में जगह कम होती है और अगर कपड़े ज़्यादा हों, तो उनका बिखरना स्वाभाविक है। ऐसे में शेल्फ डिवाइडर, स्टोरेज बॉक्स या मल्टी-लेयर हैंगर जैसे स्मार्ट स्टोरेज उपाय मददगार हो सकते हैं। ऐसा करने से कम जगह में ज़्यादा चीज़ें आ सकती हैं।

गलत तरीके से तह किए हुए कपड़े

कई बार कपड़ों को गलत तरीके से तह करने से चीज़ें खराब हो जाती हैं और अलमारी अव्यवस्थित लगती है। सही तह करने की तकनीक अपनाकर और उन्हें श्रेणी के अनुसार व्यवस्थित करके, आप जगह भी बचा सकते हैं और अलमारी को साफ़ भी रख सकते हैं।

कम बजट में घर को दें इंस्टाग्राम जैसा एस्थेटिक लुक, ये चीजें करेंगी कमाल

आजकल सोशल मीडिया पर खासकर इंस्टाग्राम पर कई ऐसे खूबसूरत रूम डेकोरेशन रील्स दिखती हैं जिन्हें देखकर मन करता है कि काश हमारा घर भी ऐसा ही स्टाइलिश और क्लासी होता। लेकिन हर कोई महंगे इंटीरियर पर खर्च नहीं कर सकता। ऐसे में अगर आप भी अपने आशियाने को नया लुक देना चाहते हैं तो परेशान न हों। कुछ सिंपल और किफायती चीजों से आप अपने घर को भी इंस्टाग्राम-लायक बना सकते हैं। आइए जानें कुछ आसान, सुंदर और बजट-फ्रेंडली आइडियाज।

घर को एलिगेंट लुक देने वाले इनडोर प्लांट्स

बड़े साइज के पौधे घर में एक अलग ही ताजगी और खूबसूरती लेकर आते हैं। आप एरेका पाम या स्नेक प्लांट जैसे पौधे लगा सकते हैं, जो दिखने में स्टाइलिश होते हैं और हवा को भी शुद्ध करते हैं। इनका रख-रखाव भी आसान है और ये ज्यादा महंगे भी नहीं होते।

लाइट कलर के पर्दों से बदलें कमरों का माहौल

पर्दों का रंग और फैब्रिक पूरे कमरे की फील को बदल सकता है। अगर आप अपने रूम को बड़ा, खुला और शांत दिखाना चाहते हैं तो व्हाइट, बेबी पिंक या बेज कलर के हल्के पर्दे लगाएं। ये रंग कमरे को आरामदायक और क्लासी लुक देते हैं।

फेयरी लाइट्स से लाएं रोशनी में जादू

हल्के रंग के पर्दों के साथ अगर आप फेयरी लाइट्स जोड़ देंगे तो आपका कमरा शाम के समय किसी मूवी सीन जैसा लगेगा। ये लाइट्स सॉफ्ट और वॉर्म इफेक्ट देती हैं, जिससे रूम और भी ज्यादा एस्थेटिक नजर आता है।

स्टैंडिंग लैम्प से बढ़ाएं रॉयल टच

अगर आप कमरे में मॉडर्न लुक लाना चाहते हैं तो एक अच्छा स्टैंडिंग लैम्प जरूर लगाएं। ये न सिर्फ लाइटिंग को बेहतर बनाता है बल्कि कमरे की शोभा भी बढ़ाता है। अगर आप किताबें पढ़ते हैं या घर से काम करते हैं, तो ये बेहद काम की चीज है।

वॉल आर्ट और फोटो फ्रेम से दीवारों को सजाएं

खाली दीवारें अक्सर उबाऊ लगती हैं। आप चाहें तो मोटिवेशनल कोट्स, सिंपल वॉल आर्ट या फिर अपनी यादों से भरे फोटो फ्रेम्स दीवारों पर लगा सकते हैं। इससे घर में पर्सनल टच आता है और हर दीवार एक कहानी कहने लगती है।

अरोमा डिफ्यूजर और कैंडल्स से महकाएं कमरा

कमरे की खुशबू उसका माहौल बदल सकती है। एक अच्छा अरोमा डिफ्यूजर आपके रूम को महकाने के साथ-साथ मन को भी शांत करता है। आप चाहें तो लैवेंडर, लेमन ग्रास या रोज फ्लेवर की कैंडल्स भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे कमरे में सुकून का एहसास होगा।

आपको अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए हजारों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ छोटे बदलाव और बजट-फ्रेंडली चीजों से भी आपका घर बिल्कुल इंस्टाग्राम जैसा दिख सकता है – क्लासी, शांत और आपके दिल के बेहद करीब।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

30 दिन में निपटाएं सभी लंबित विवेचनाएं : पुलिस आयुक्त

वाराणसी (एजेंसी)। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कैंप कार्यालय में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी विवेचना 30 दिन से अधिक लंबित न रहे तथा सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जघन्य अपराध, गैंगस्टर, गोवध और एनडीपीएस अधिनियम से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने इन सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने ई-समन, ई-नोटिस, ई-वारंट जैसे डिजिटल उपकरणों के प्रभावी उपयोग और डिजिटल साक्ष्यों के समयबद्ध अपलोड के भी निर्देश दिए। गैर-जमानती वारंटों के निष्पादन हेतु तीन दिवसीय अभियान चलाकर अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। मोहित अग्रवाल ने मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रखने पर जोर दिया। उन्होंने महिला अपराधों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए तत्काल एफआईआर, निष्पक्ष विवेचना और त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। आगामी त्योहारों के मद्देनजर पुलिस आयुक्त ने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता, गश्त, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, समुचित यातायात प्रबंधन और निरंतर निगरानी के निर्देश दिए। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय) शिवहरी मीणा सहित सभी राजपत्रित अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि सभी थाना प्रभारी गूगल मीट के माध्यम से जुड़े।

पानी की टंकी में मृत मिला पूरा परिवार, इलाके में छाया मातम, पुलिस जांच में जुटी

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर जिले के लोहारकी गांव में एक ही परिवार के चार सदस्य पानी की टंकी में मृत मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शवों का पता रविवार देर रात चला। इस घटना के बाद गांव में मातम छा गया। पुलिस आत्महत्या के शक समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक घटना रविवार रात करीब 9 बजे की है। रामदेवरा एसएचओ ने बताया कि जसराज के भाई ने उसे पानी की टंकी में कूदते हुए देखा और शोर मचाया। परिवार के सदस्य और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन जब तक वे टंकी तक पहुंचे, तब तक चारों की मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान जसराज सुथार (29), उसकी पत्नी निर्मा (25), 10 साल के बेटे भरत और 5 साल की बेटी मनीषा के तौर पर हुई है। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने टंकी से शव निकाले। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, सबूत इकट्ठा किए और महिला के रिश्तेदारों को सूचना दी। अधिकारियों ने कहा कि घटना की असली वजह का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही चलेगा। पुलिस परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है, ताकि इस घटना के कारणों का पता लगाया जा सके। शुरुआती जांच से पता चलता है कि पति-पत्नी के बीच घरेलू झगड़ा हो सकता है सभी पहलुओं की जांच जारी है। इस घटना से लोहारकी गांव और आसपास के इलाकों के लोग गहरे सदमे में हैं। घटना के बारे में सुनकर ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जांच पूरी होने तक कोई अटकलें न लगाएं।

मुंबई एयरपोर्ट पर बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, कोलंबो से लौटा था

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। वह कथित तौर पर फर्जी तरीके से बनवाए दस्तावेजों के आधार पर भारत में रह रहा था। कोलंबो से लौटते समय हवाई अड्डे पर उसे पकड़ा गया। पुलिस ने खुलासा किया कि कोलकाता में रहते हुए आरोपी ने आधार कार्ड और पैन कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज बनवाए थे, जिसके बाद उसने भारतीय पासपोर्ट हासिल किया। इन पासपोर्ट के जरिए वह मालदीव और कोलंबो की यात्रा कर चुका था। आरोपी की पहचान बाबू बिस्वास उर्फ तपस बिस्वास के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि कोलंबो से लौटते समय मुंबई एयरपोर्ट पहुंचने के बाद आरोपी तपस इमिग्रेशन काउंटर पर स्टांप लगवाने पहुंचा था। सहायक इमिग्रेशन अधिकारी को उसके पासपोर्ट पर शक हुआ। अधिकारी ने उससे पूछताछ की, जिस दौरान संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने बताया कि आगे पूछताछ के लिए इमिग्रेशन विंग के प्रभारी और ड्यूटी अधिकारियों के सामने पेश किया गया। इसके बाद यह साफ हो गया कि वह बांग्लादेश के फरीदपुर का रहने वाला है। पुष्टि तब हुई जब उसने घर पर अपनी पत्नी को व्हाट्सएप पर कॉल किया और उससे बांग्लादेशी नागरिकता के प्रमाण के तौर पर कुछ दस्तावेज भेजने को कहा। इसके बाद उसे बाबू विश्वास के पिता के नाम पर बांग्लादेश में रजिस्टर्ड जमीन के दस्तावेजों की फोटोकॉपी मिली।

फुटपाथ हादसे में मृतकों के परिजनों को पूरा मुआवजा देने के आदेश : हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मजबूरी में फुटपाथ पर सो रहे लोगों को सड़क हादसे का जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 2015 के मादीपुर मेट्रो स्टेशन के नीचे हुए दर्दनाक हादसे में मृतकों के परिजनों और घायलों का 50 प्रतिशत मुआवजा घटाने के आदेश को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि फुटपाथ पर सोना उनकी लापरवाही नहीं, बल्कि परिस्थितियों की मजबूरी थी। ऐसे में उन्हें उचित और पूरा मुआवजा मिलना चाहिए। यह हादसा अक्टूबर 2015 में हुआ था, जब एक तेज रफ्तार ट्रक फुटपाथ पर चढ़ गया और वहां सो रहे लोगों को कुचल दिया। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे।

बेंगलुरु : प्रदर्शन में उमर खालिद-शरजील इमाम के समर्थन में तख्ती लेने पर एफआईआर

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में छात्र प्रदर्शन के दौरान जेल में बंद कार्यकर्ताओं उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन में तख्तियां दिखाने वाली एक अज्ञात महिला पर पुलिस ने प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। यह कार्रवाई शुक्रवार शाम हुई घटना के संबंध में की गई है। बंदोबस्त ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस उपनिरीक्षक की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज हुआ है। शिकायत के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब पांच से साढ़े पांच बजे के बीच, बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के बीच एक युवती को 'उमर खालिद जिंदाबाद', 'शरजील इमाम जिंदाबाद' और 'उखाड़ ले बीएलआर पुलिस' जैसे नारे लिखी तख्तियां पकड़े देखा गया।

आज से दिल्ली में हो सकती है झमाझम, दिल्ली समेत कई इलाकों में गिरेगा तापमान

-आईएमडी ने मंगलवार-बुधवार को बारिश को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीआर के कई इलाकों में झमाझम बारिश की उम्मीद है। मौसम विभाग की मानें तो सोमवार से बारिश का दौर फिर शुरू हो सकता है जो पूरी जुलाई लोगों को भिगोता रहेगा। वहीं सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहेंगे। सुबह से लेकर रात तक कई दौर में बारिश हो सकती है। यह बारिश हल्की से मध्यम स्तर की होगी।

दिल्ली समेत नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और गाजियाबाद में सोमवार से मॉनसून सक्रिय होने जा रहा है। ऐसे में बारिश के चलते तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी और मौसम में ठंडक होगी। एनसीआर में सुबह से दोपहर के बीच बहुत हल्की बारिश के साथ कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश हो सकती है। रात में भी बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो सोमवार को दक्षिण-पश्चिमी दिशा से हवाएं 10-20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी, जबकि अधिकतम तापमान गिरावट के साथ 34 से 36 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा जो सामान्य से काफी कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, इससे गर्मी से राहत मिलेगी।

इस दौरान एनसीआर में उमस का स्तर ऊंचा बना रहेगा, जिससे मौसम कुछ हद तक चिपचिपा हो सकता है, लेकिन बादलों और बारिश की वजह से तेज गर्मी से राहत मिलेगी। आईएमडी के मुताबिक एनसीआर के अन्य शहरों, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में भी कमोबेश यही स्थिति रहने वाली है। वहां भी आंशिक से सामान्यतः बादल छाए रहेंगे और एक-दो दौर की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। वहीं मंगलवार से बारिश की गतिविधियां और बढ़ने वाली हैं जो जुलाई के इस आखिरी सप्ताह तक जारी रहेंगी। आईएमडी ने मंगलवार और बुधवार को मध्यम बारिश को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। अगले कुछ दिनों में तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में ज्यादा बारिश नहीं हुई, लेकिन मानसूनी धाराएं सक्रिय होने से आने वाले दिनों में राहत की उम्मीद है। जलभराव वाले इलाकों में सावधानी बरतें, छतरी या रेनकोट जरूर साथ रखें और ट्रैफिक में देरी की आशंका को ध्यान में रखकर निकलें। बिजली गिरने की संभावना वाले इलाकों में खुले में न रहें। आगे के दिनों में मानसून और सक्रिय होने से तापमान सामान्य से थोड़ा नीचे रह सकता है।

वांगचुक को अस्पताल से मिल सकती है छुट्टी, डिस्चार्ज होते ही सीधे जा सकते हैं राजघाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में 26 दिन अनशन पर रहे सोनम वांगचुक को मेदांता अस्पताल से सोमवार को छुट्टी मिल सकती है। यहां से डिस्चार्ज होते ही वांगचुक सीधे राजघाट पहुंच सकते हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक वांगचुक को आईसीयू से वॉर्ड में शिफ्ट किया जा चुका है। बता दें सोनम वांगचुक तबीयत खराब होने के चलते पिछले कई दिनों से गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती थे। अनशन के दौरान पुलिस ने उन्हें उठाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया था, लेकिन बाद में कोर्ट के आदेश पर सोनम मेदांता अस्पताल में भर्ती हुए थे। हालांकि यह भी खबर आ रही है कि सोनम अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सीधे अपने घर नहीं जाएंगे बल्कि दिल्ली के राजघाट जा सकते हैं। वे यहां महात्मा गांधी की समाधि पर जाएंगे और श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। ऐसे में एक सवाल उठ रहा है कि क्या वे कॉकरोच जनता पार्टी के लोगों से मिलने जंतर-मंतर भी जाएंगे, फिलहाल इसे लेकर कोई स्पष्ट खबर नहीं है, लेकिन हो सकता है कि वे राजघाट से सीधे घर जाएं और कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़े कुछ लोग उनसे मिलें। बता दें सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के अभिजीत दिपके के साथ मिलकर अनशन किया था, हालांकि केंद्र सरकार के आग्रह पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में उन्होंने अपना अनशन तोड़ दिया था। केंद्र सरकार ने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

सही निकली राहुल गांधी की बात, आरएएफ जवान ने पैलेट गन से किए थे सात फायर

-सीजेपी के प्रदर्शनकारी हुए थे घायल जिसमें एक पत्रकार भी था शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर कॉकरोज जनता पार्टी (सीजेपी) की अगुवाई में जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के इस्?तेमाल को लेकर सनसनीखेज खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि आरएएफ की तरफ से प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन का इस्?तेमाल किया गया था। सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स (सीआरपीएफ) को पता चला है कि उसकी रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के एक जवान ने जिसे 20 जुलाई को संसद तक विरोध मार्च के दौरान कनॉट प्लेस इलाके में तैनात किया था, अपनी पैलेट गन से कम से कम सात राउंड फायर किए। एक अखबार में प्रकाशित खबर के मुताबिक पांच राउंड प्रदर्शनकारियों को लगे, जबकि दो ज़मीन पर लगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीआरपीएफ ने इस बात की जांच शुरू की थी कि क्या प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई में आरएएफ जवानों ने पेलेट गन का इस्तेमाल किया था। विरोध मार्च के दौरान पैलेट गन से लगी चोटों के लिए कम से कम तीन लोगों गुरुग्राम में काम करने वाले इरशाद शेख, दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र साहिल लोचब और एक पत्रकार का अस्पतालों में इलाज किया गया। एक सूत्र ने बताया कि आरएएफ जवानों द्वारा की गई लॉग एंट्रीज़ की जांच के बाद यह पता चला है कि कनॉट प्लेस में आरएएफ के एक जवान ने कुल सात पेलेट राउंड फायर किए थे। ये राउंड तब फायर किए गए जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया और पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। आरपीएफ के डीजी ने अपना पहले वाला बयान दोहराया कि अब, चूंकि आंदोलन वापस ले लिया गया है और जमा हुए लोग चले गए हैं, इसलिए हम घटना के बाद पेशेवर तरीके से समीक्षा करेंगे जैसा कि हम हर बड़े काम के बाद करते हैं और फिर आपको फोर्स हेडक्वार्टर का नजरिया बताएंगे।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी बीते 24 जुलाई को सरकार पर प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पैलेट गन का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था और कहा था कि 'अपराधी शिक्षा मंत्री' धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटना ही होगा। राहुल गांधी ने दिल्ली में छात्रों के विरोध प्रदर्शन में पैलेट गन के इस्तेमाल से घायल हुए युवक साहिल को मीडिया के सामने पेश किया था और कहा था कि ऐसे 'हजारों युवाओं' के खिलाफ बर्बर कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा था कि सरकार कह रही है कि पैलेट गन का इस्तेमाल नहीं हुआ, जबकि उस समय पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया जब यह युवक देश का तिरंगा लेकर खड़ा था।

पेपर लीक जवाबदेही को लेकर शिवकुमार के बयान पर भाजपा हुई हमलावर

मुख्यमंत्री बोले- पेपर लीक होने पर डिप्टी कमिश्नर होंगे जिम्मेदार

-भाजपा ने कहा- जिम्मेदारी अधिकारियों की नहीं, सरकार और मुख्यमंत्री की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में छात्र आंदोलन और पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब पेपर लीक मामलों में जवाबदेही तय करने को लेकर कर्नाटक की राजनीति गरमा गई है। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के उस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है, जिसमें उन्होंने कहा कि यदि राज्य में भविष्य में किसी भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होता है तो संबंधित जिले के डिप्टी कमिश्नर को जिम्मेदार माना जाएगा। भाजपा ने इस बयान को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है।

भाजपा का आरोप है कि राज्य सरकार भर्ती परीक्षाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय पहले से ही अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराने की तैयारी कर रही है। पार्टी का कहना है कि परीक्षा प्रणाली की जवाबदेही अंततः सरकार और मुख्यमंत्री की होती है, इसलिए भविष्य में किसी भी पेपर लीक की स्थिति में मुख्यमंत्री को जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए।

कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के साथ कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में कांग्रेस राजनीतिक जवाबदेही की मांग करती है, जबकि कांग्रेस शासित राज्यों में वही जिम्मेदारी अधिकारियों पर डालने की कोशिश की जा रही है। आर. अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री का ध्यान भर्ती प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने पर होना चाहिए, न कि संभावित घटनाओं के लिए पहले से जिला प्रशासन को जिम्मेदार घोषित करने पर।

उन्होंने इसे कांग्रेस का दोहरे मानदंड वाला रवैया बताते हुए कहा कि राजनीतिक नेतृत्व अपनी जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रहा है। भाजपा ने स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में कर्नाटक में किसी भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है तो उसकी राजनीतिक जिम्मेदारी मुख्यमंत्री और राज्य सरकार की होगी।

चढ़ावा चोरी मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, नई एसआईटी अफसरों ने नाम पेश करेगी सरकार

अयोध्या(एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान यूपी सरकार नई एसआईटी के गठन से जुड़े अधिकारियों के नाम कोर्ट में पेश कर सकती है। बता दें राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नई एसआईटी का गठन किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में 13 जुलाई को सुनवाई में यूपी सरकार को एक सीनियर आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में नई एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया था। इससे पहले अयोध्या स्थित राम मंदिर का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट की 22 जुलाई को हुई बैठक में मंदिर में पूजा-पाठ की पूरी व्यवस्था के लिए गठित 'धार्मिक समिति' का पुनर्गठन करके उसमें अयोध्या के पांच संतों समेत कुल नौ सदस्यों को शामिल करने और ट्रस्ट का एक प्रवक्ता तथा सचिव नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन और कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बताया कि बैठक में ट्रस्ट के सीईओ पद के लिये बड़ी संख्या में आवेदन आने की वजह से नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के लिए मांगा गया एक माह का अतिरिक्त समय देने पर भी सहमति बनी, साथ ही इस कार्य में हो रहे देरी को देखते हुए एक सचिव की नियुक्ति का फैसला लिया गया। बैठक में ट्रस्ट के सदस्यों ने सावन के महीने में श्रद्धालुओं की संख्या में संभावित बढ़ोत्तरी के लिए की गई तैयारियों, ट्रस्टी के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया में हुई प्रगति और कई प्रशासनिक व वित्तीय मुद्दों की समीक्षा की। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ने बताया कि ट्रस्टी मंडल ने अनियमितताएं सामने आने के बाद बैंक की प्रक्रिया और गंभीरता के अभाव पर निराशा प्रकट की है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट की वित्त समिति को बैंक के साथ संबंधों पर और मानक प्रक्रियाओं पर पुनर्विचार कर समुचित निर्णय लेने को कहा है।

फिर लौट रहा कोरोना ! नए मामलों ने बढ़ाई टेंशन, अस्पतालों ने की तैयारी

-10 नए मामले से मचा हड़कंप, स्वास्थ्य विभाग ने भी निगरानी बढ़ाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। कोरोना के नए मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण भारत में खासतौर पर एक बार फिर कोविड-19 के कुछ और मामलों के सामने आने से डर बढ़ गया है। पहले से ही 39 कोरोना मामलों को झेल रहे आंध्र प्रदेश में पिछले 24 घंटों में 10 नए मामले सामने आए हैं और कुल केस 49 हो गए हैं। इससे कोरोना की नई लहर आने का खतरा पैदा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आंध्र प्रदेश में कोविड-19 का कहर शुरू होने के साथ ही उत्तर भारत में भी कुछ केस सामने आए हैं। हालांकि इससे मौतें अभी तक दक्षिण भारत में ही हुई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आंध्रप्रदेश में 10 नए मामले सामने आने से आसपास हड़कंप मचा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने अपने बुलेटिन में जानकारी देते हुए बताया है कि अब इस राज्य में कुल मामले बढ़कर 49 हो गए हैं। खास बात है कि ये मामले कई शहरों के हैं, ऐसे में यह डर भी सता रहा है कि कोरोना का दायरा एक शहर न होकर कई शहरों तक फैल गया है। बुलेटिन के मुताबिक 10 नए मामलों में से 3 गुंटूर जिले से, 2 एनटीआर जिले से और 1-1 मामला अल्लूरी सीताराम राजू, एलुरु, कृष्णा, तिरुपति और विशाखापत्तनम जिलों से है। इस राज्य में अभी तक 302 संदिग्ध सैंपलों की जांच की गई है, जिसमें से 49 पॉजिटिव निकल चुके हैं। जहां तक कोरोना के आउटब्रेक का मामला है तो सबसे ज्यादा मामले पूर्वी गोदावरी से हैं और यहां 11 केस मिले हैं। इसके बाद गुंटूर में 9, कडपा में 8, विशाखापत्तनम में 5 और एनटीआर में 3 मामले हैं। काकीनाडा, एलुरु और बापटला में 2-2 मामले हैं, जबकि कुछ अन्य जिलों में 1-1 मामला दर्ज हुआ है।

इन सभी 49 कोविड मरीजों में 24 लोग अस्पताल में भर्ती हैं और इनका इलाज चल रहा है। जबकि 16 मरीज कोविड के माइल्ड लक्षणों के साथ घर पर आइसोलेशन में हैं। अभी तक 5 मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं. जबकि चार लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल रोजाना नए मामले मिलने के चलते प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है और स्वास्थ्य विभाग ने भी अलग-अलग जिलों में निगरानी बढ़ा दी है। जिला रैपिड रिस्पॉन्स टीमें भी मरीजों की हालत को बारीकी से देख रही हैं और उनसे जुड़े लोगों को ट्रैक कर रही हैं ताकि उनके संपर्क में आए लोगों का पता चल सके और उनकी भी जांच की जा सके। विभाग का कहना है कि मरीजों की जांच के लिए आरटी-पीसीआर किट उपलब्ध हैं। अस्पतालों में कोविड की तैयारियां चाक-चौबंद की जा रही हैं।

विजय के बाद धनुष के राजनीति में एंट्री के संकेत?

-समाज सेवा की अपील के बाद राजनीतिक गलियारे में अटकलें हुईं तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता और निर्देशक धनुष के राजनीति में आने की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं। हाल ही में आयोजित एक ब्लड डोनेशन कैंप में उन्होंने अपने प्रशंसकों से समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनके संभावित राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

रविवार को धनुष के प्रशंसकों की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में अभिनेता ने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का एक मंच पर एकत्र होना अपने आप में बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि इस एकजुटता को केवल फिल्मी आयोजनों, ऑडियो लॉन्च या फैन मीट तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। अपने संबोधन में धनुष ने प्रशंसकों से अपने आसपास रहने वाले जरूरतमंद परिवारों की पहचान कर हर संभव मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि उनके प्रशंसक समाज के लिए सकारात्मक कार्य करेंगे तो उन्हें उन पर और अधिक गर्व होगा। अभिनेता के इस संदेश का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई यूजर्स ने अनुमान लगाया कि अभिनेता थलपति विजय की तरह धनुष भी भविष्य में राजनीति का रुख कर सकते हैं। कुछ लोगों ने लिखा कि तमिलनाडु की राजनीति में एक नई और सशक्त आवाज की जरूरत है, जबकि कुछ ने यहां तक कयास लगाए कि धनुष जल्द अपनी राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि, धनुष ने अपने संबोधन में कहीं भी राजनीति में प्रवेश या किसी राजनीतिक दल के गठन का ऐलान नहीं किया। उनकी ओर से केवल समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। ऐसे में उनके राजनीति में आने की चर्चाएं फिलहाल केवल अटकलों तक ही सीमित हैं। वैसे भी तमिलनाडु में फिल्मी सितारों के राजनीति में आने की लंबी परंपरा रही है। हाल के वर्षों में अभिनेता थलपति विजय के राजनीतिक सफर की शुरुआत के बाद अब धनुष को लेकर भी चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि, उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर स्थिति तभी स्पष्ट होगी जब वह स्वयं इस संबंध में कोई औपचारिक घोषणा करेंगे।

सोची समझी रणनीति है प्रधान का इस्तीफा, अब होगा बड़ा सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में भड़के छात्र आंदोलन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। आंदोलन की शुरुआत से ही छात्र इसकी मांग कर रहे थे। अपने फैसलों पर अडिग रहने के लिए मशहूर सरकार को इस संवेदनशील मुद्दे पर छात्रों के दबाव के आगे कदम पीछे खींचने पड़े हैं। शीर्ष सरकारी सूत्रों के अनुसार, केंद्र के इस कदम के पीछे असंतोष को शांत करने और स्थिति को बिगड़ने से रोकने की एक सोची-समझी रणनीति है।

सरकार का मुख्य उद्देश्य छात्रों के असंतोष और गुस्से को किसी भी राजनीतिक या देश-विरोधी ताकतों द्वारा भुनाए जाने से रोकना था। केंद्र सरकार ने प्रमुख राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं को अपनी विफलता के रूप में स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री का स्पष्ट मानना था कि प्रभावित छात्रों द्वारा उठाई गई चिंताएं और मांगें पूरी तरह से जायज थीं, जिसके चलते जवाबदेही तय करते हुए यह इस्तीफा स्वीकार किया गया।

अपने इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने एक भावुक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि बीते दिनों के घटनाक्रम ने उन्हें गहराई से दुखी किया है और यह मुद्दा उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे नहीं चाहते कि कोई भी देश-विरोधी ताकतें इस संवेदनशील स्थिति का फायदा उठाएं। देश की एकता अक्षुण्ण रहनी चाहिए और किसी भी मासूम छात्र का भविष्य कानूनी उलझनों में नहीं फंसना चाहिए। छात्र अपना बहुमूल्य समय पढ़ाई और करियर बनाने में लगाएं, इसी सोच के साथ उन्होंने अपना त्यागपत्र सौंपा।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, सरकार पहले दिन से ही इस बात को लेकर बेहद गंभीर थी कि आंदोलनकारी छात्रों का इस्तेमाल राजनीतिक मोहरे के रूप में न किया जाए। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग को पूरा करके सरकार का उद्देश्य यही था कि छात्र लंबे समय तक चलने वाले आंदोलनों को छोड़कर वापस अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकें। इस कदम से जंतर-मंतर जैसे प्रमुख स्थानों पर जारी विरोध-प्रदर्शनों को शांत करने में मदद मिलेगी। तात्कालिक राजनीतिक गतिरोध समाप्त होने के बाद अब केंद्र सरकार का पूरा ध्यान परीक्षा प्रणाली में बड़े और संरचनात्मक सुधारों पर केंद्रित हो गया है। भावी योजनाओं के तहत राष्ट्रीय स्तर की सभी प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं को चरणबद्ध तरीके से कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) फॉर्मेट में ट्रांसफर किया जाएगा ताकि पेपर लीक की गुंजाइश पूरी तरह खत्म हो सके। साथ ही राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की निगरानी को भी और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नाटो मुख्यालय में जासूसी का शक

ब्रुसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम में नाटो के सैन्य मुख्यालय के भीतर कथित जासूसी के आरोप में एक कनाडाई महिला इंटर्न को गिरफ्तार किया गया है। बेल्जियम के संघीय अभियोजक कार्यालय ने शनिवार को बताया कि नाटो की सुरक्षा सेवाओं से सूचना मिलने के बाद जासूसी की जांच शुरू की गई। इसके तहत गुरुवार को संदिग्ध के घर और नाटो के विशाल सैन्य परिचालन केंद्र स्थित उसके कार्यस्थल पर छापेमारी की गई। इसके अगले दिन शुक्रवार को अधिकारियों ने उसे हिरासत में ले लिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, गिरफ्तार महिला चीनी मूल की कनाडाई नागरिक है और उस पर किसी तीसरे देश के लिए जासूसी करने तथा एक आपराधिक संगठन की सदस्य होने का संदेह है। फिलहाल जांच जारी है और अधिकारियों ने मामले से जुड़ी अन्य जानकारियां सार्वजनिक नहीं की हैं। इस घटना ने नाटो की सुरक्षा व्यवस्था और संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों की निगरानी को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। नाटो के 32 सदस्य देशों में कनाडा और बेल्जियम दोनों शामिल हैं। वर्ष 2021 में नाटो ने अपनी रणनीतिक समीक्षा में चीन को रूस और मध्य-पूर्व से जुड़े खतरों के साथ एक प्रमुख सुरक्षा चुनौती बताया था। जिस सैन्य मुख्यालय में यह मामला सामने आया, उसे सुप्रीम हेडक्वार्टर एलाइड पावर्स यूरोप कहा जाता है। यह बेल्जियम के दक्षिणी शहर मॉन्स में फ्रांस की सीमा के पास स्थित है और यहीं से नाटो की संयुक्त सैन्य रणनीति, अभियानों और परिचालन की योजना बनाई जाती है। वहीं, संगठन का राजनीतिक मुख्यालय ब्रुसेल्स में है, जहां सदस्य देशों के राजदूत रक्षा खर्च, ड्रोन घुसपैठ, साइबर सुरक्षा और अन्य रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं। ऐसे संवेदनशील सैन्य केंद्र में कथित जासूसी का मामला सामने आने से नाटो की आंतरिक सुरक्षा, खुफिया निगरानी और सदस्य देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को लेकर बहस तेज होने की संभावना है।

पेरू सड़क हादसे में पांच की मौत

लीमा, एजेंसी। दक्षिणी पेरू में शनिवार को दो बसों की आपस में टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह टक्कर चिली सीमा के पास टैकना शहर में दक्षिणी पैनअमेरिकन हाइवे पर हुई। हिपोलिटो उनानुए दे टैकना अस्पताल के निदेशक एडी विसेंट ने बताया कि अधिकांश घायल स्थिर हैं। एक 24 वर्षीय व्यक्ति कई फ्रैक्चर के साथ गंभीर हालत में है। टक्कर का कारण तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका है। किसान अगस्टिन चोकेकोटा ने कहा, एक बस के लेन से भटकने के बाद उनकी पिकअप भी चपेट में आ गई। विशेषज्ञों का मानना है कि पेरू में सड़क परिवहन की निगरानी कमजोर है। आपातकालीन सहायता भी धीमी और अव्यवस्थित है। इसका समाधान कानूनी सुधारों में है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2025 में 3,428 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए।

टेक्सास में भारतीय-अमेरिकी छात्र की आत्महत्या, परिवार ने मांगी कानूनी समीक्षा

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में एक 24 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी चिकित्सा छात्र वैभव दुग्गल ने जुलाई 2025 में आत्महत्या कर ली थी। शैक्षणिक अनुशासनात्मक कार्रवाई के बाद हुई इस घटना पर उनके परिवार ने कानूनी समीक्षा और प्रणालीगत नीतिगत सुधारों की मांग की है। परिवार ने संस्थागत विफलता और मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों की कमी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अपारदर्शी अनुशासनात्मक प्रक्रिया में उचित प्रक्रिया और पर्याप्त मानसिक स्वास्थ्य सहायता का अभाव था। इसी कारण वैभव को गंभीर मनोवैज्ञानिक परेशानी हुई, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। परिवार के वकालत अभियान ने जवाबदेही, स्वतंत्र समीक्षा और सुधार की मांग की है। यह मामला उच्च-दांव वाली व्यावसायिक शिक्षा में प्रणालीगत मुद्दों पर ध्यान आकर्षित कर रहा है। वकालत समूह अमेरिकी विश्वविद्यालयों में अनिवार्य उचित प्रक्रिया सुरक्षा, आघात-सूचित अनुशासनात्मक प्रक्रियाओं और एकीकृत मानसिक स्वास्थ्य प्रतिक्रियाओं की मांग कर रहे हैं।

50 वर्ष पुराना महाविनाश का सिद्धांत सवालों के घेरे में

वाशिंगटन, एजेंसी। चंद्रमा के शुरुआती इतिहास को लेकर वैज्ञानिकों की 50 वर्षों से चली आ रही अवधारणा अब नए सिरे से जांच के दायरे में आ गई है। चीन के चांग-ई-6 मिशन द्वारा पहली बार चंद्रमा के पृथ्वी से हमेशा छिपे रहने वाले दूरस्थ (फारसाइड) हिस्से से लाए गए चट्टानी नमूनों के अध्ययन में ऐसे प्रमाण मिले हैं। इसने लेट हेवी बॉम्बार्डमेंट सिद्धांत पर गंभीर सवाल खड़े किए। इसके अनुसार, चंद्रमा पर उल्कापिंडों की टक्करें किसी छोटे और विनाशकारी दौर में नहीं, बल्कि अरबों वर्षों तक धीरे-धीरे होती रहीं। शोधकर्ताओं ने कहा, यदि आगे के शोध भी इसकी पुष्टि करते हैं, तो न केवल चंद्रमा के विकासक्रम बल्कि प्रारंभिक पृथ्वी व जीवन की उत्पत्ति से जुड़ी वैज्ञानिक समय-रेखा पर भी नए सिरे से विचार करना पड़ सकता है।

ट्रंप को झटका, अमेरिकी अदालत ने एच-1बी वीजा पर फिर से भारी शुल्क लगाने की मांग ठुकराई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अपीलीय अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के खिलाफ दिए गए उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है, जिसमें अधीनस्थ अदालत ने उच्च कौशल वाले विदेशी कर्मचारियों के लिए एच-1बी वीजा पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने के निर्णय को रद्द कर दिया था. बोस्टन स्थित 'फर्स्ट सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स' के तीन जजों की पीठ ने संघीय सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अमेरिकी जिला न्यायाधीश लियो टी. सोरोकिन के आठ जून के फैसले पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था. सोरोकिन ने इस शुल्क को अवैध टैक्स बताते हुए रद्द कर दिया था, क्योंकि यह कांग्रेस की मंजूरी के बिना लगाया गया था. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल सितंबर में एक उद्घोषणा जारी कर नए एच-1बी वीजा प्राप्तकर्ताओं पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने का निर्णय लिया था. एच-1बी वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को ऐसे विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जिनके पास विशेष क्षेत्रों में सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता होती है. अमेरिका की आईटी कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से हजारों विशेषज्ञ कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए इसी वीजा पर निर्भर रहती हैं. अपीलीय अदालत ने 1989 में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि कार्यपालिका (सरकार) को यह

स्पष्ट रूप से दिखाना होगा कि कांग्रेस ने उस पर वित्तीय बोझ चाहे उसे 'शुल्क' कहा जाए या 'कर', लगाने का विवेकाधिकार स्पष्ट शब्दों में प्रदान किया है. अदालत ने कहा, 'हालांकि, ट्रंप प्रशासन यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि इस मामले में कांग्रेस से स्पष्ट अधिकार मिलने की यह अनिवार्य शर्त क्यों लागू नहीं होनी चाहिए।

अदालत ने यह भी कहा कि प्रशासन यह साबित करने में विफल रहा कि अगर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी जाती है, तो वादी राज्यों को कोई गंभीर नुकसान नहीं होगा. अमेरिका हर साल 65,000 एच-1बी वीजा जारी करता है. इसके अलावा, उच्च शैक्षणिक योग्यता रखने वाले विदेशी पेशेवरों के लिए 20,000 अतिरिक्त वीजा भी जारी किए जाते हैं. इन वीजा पर वर्तमान में सामान्य रूप से 2,000 से 5,000 अमेरिकी डॉलर तक का शुल्क लिया जाता है. एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन वर्ष के लिए रोक लगाने का प्रस्ताव इस बीच, एक अमेरिकी सांसद ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें नए एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन वर्ष के लिए रोक लगाने तथा ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रत्येक एच-1बी आवेदन पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर के शुल्क को कानून का हिस्सा बनाने का प्रस्ताव किया गया है. मोंटाना से रिपब्लिकन सीनेटर टिम शीही ने कहा कि अमेरिका को ऐसे वीजा जारी नहीं करने चाहिए, जिनसे अमेरिकी कामगारों के अधिकारों को कमजोर करना आसान हो जाए. उन्होंने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा, 'एच-1बी कार्यक्रम की शुरुआत विशेष कौशल वाले और ऐसे पदों पर कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए की गई थी जिन्हें भरना मुश्किल हो, न कि योग्य और मेहनती अमेरिकी कामगारों की जगह कम वेतन वाले विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने के लिए. ' विधेयक में नए एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन वर्ष के लिए रोक लगाने और इसके बाद इस कार्यक्रम को काफी अधिक कड़े नियमों और उच्च मानकों के साथ दोबारा शुरू करने का प्रस्ताव है।

कैस्पियन सागर में ईरानी जहाज पर यूक्रेन का हमला, तेहरान की खुली धमकी- अब भुगतने होंगे गंभीर नतीजे

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब केवल जमीनी सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है। यूक्रेन ने पहली बार कैस्पियन सागर में एक ईरानी जहाज को निशाना बनाकर संघर्ष को नया मोड़ दे दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, यह जहाज कथित तौर पर रूस के लिए सैन्य कार्गो ले जा रहा था। इस हमले के बाद ईरान और यूक्रेन के बीच कूटनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है और तेहरान ने इस कार्रवाई को 'खुली आक्रामकता' करार दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक ऐसा कदम बताया है जो जंग की आग को और भड़का सकता है। तेहरान में तैनात यूक्रेन के ष्द्वड्डह्द्ध स'ड्डद्बद्बड्डद्बह्द्बह्म को विरोध दर्ज कराने के लिए तलब किया गया है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि इस 'दुस्साहस' के लिए यूक्रेन और उसे उकसाने वाले उसके समर्थक देश पूरी तरह जिम्मेदार होंगे। हालांकि, हमले में जहाज को कितना नुकसान हुआ है, इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है। एक तरफ यूक्रेन ने समुद्र में पलटवार किया है, तो दूसरी तरफ रूस ने यूक्रेनी शहरों पर मिसाइलों की बरसात कर दी है। शनिवार रात रूस ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, जिसमें एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया।

गिलगित बाल्टिस्तान में भारी तबाही, अचानक आई बाढ़ से चौथे दिन भी संपर्क पूरी तरह कटा

इस्लामाबाद, एजेंसी। खबरों के अनुसार पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान (पीओजीबी) में आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड के कारण कई इलाकों का सड़क संपर्क लगातार चौथे दिन भी पूरी तरह से कटा हुआ है। बाढ़ से राष्ट्रीय राजमार्गों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे राहत और बहाली कार्य भी बहुत बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सड़कें बंद होने से हजारों स्थानीय निवासी और पर्यटक विभिन्न घाटियों में फंसे हुए हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को पेयजल, बिजली और संचार सेवाओं की भी भारी कमी का लगातार सामना करना पड़ रहा है। गिलगित-बाल्टिस्तान आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के महानिदेशक अताउर रहमान काकर ने इस गंभीर स्थिति पर अहम बयान दिया है। उन्होंने बताया कि 18 से 21 जुलाई के बीच क्षेत्र में रिकॉर्ड स्तर का तापमान दर्ज किया गया था। इस बढ़ती गर्मी से ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघले और कई स्थानों पर ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड की भयानक घटनाएं हुईं। नगर जिले की हिस्पर घाटी के निवासियों ने बताया कि सड़क संपर्क टूटने से मरीजों और छात्रों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घाटी में खाद्य सामग्री और जरूरी

दवाइयों का स्टॉक बहुत तेजी से खत्म हो रहा है, जिससे हालात बिगड़ रहे हैं। वहीं, दियामेर, अस्तोर और घिजर जिलों के लोगों ने भी बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित होने की बड़ी शिकायत दर्ज कराई है। अस्तोर घाटी के परेशान लोगों ने स्थानीय प्रशासन पर राहत कार्यों की धीमी गति को लेकर अपनी गहरी चिंता जताई है। उनका कहना है कि घाटी का सड़क संपर्क पिछले तीन दिनों से पूरी तरह बाधित है, जिससे क्षेत्र अलग-थलग पड़ गया है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भारी बारिश के कारण पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में अचानक आई इस बाढ़ ने बहुत व्यापक तबाही मचाई थी। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, 13 जुलाई को दियामेर जिले में छह स्थानों पर फ्लैश फ्लड की खौफनाक घटनाएं दर्ज की गई थीं। इस भयानक बाढ़ में कई मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि काराकोरम हाईवे के कई हिस्सों को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है।

बर्लिन पुलिस का दावा- इस्लामी कट्टरपंथी समूहों से जुड़ा है आरोपी, संदिग्ध की तलाश तेज

बर्लिन , एजेंसी। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के प्राइड कार्यक्रम के दौरान हुए हमले के मामले में पुलिस ने संदिग्ध की पहचान कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपी का संबंध बर्लिन में सक्रिय इस्लामी कट्टरपंथी समूहों या नेटवर्क से है। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी के लिए तेजी से छापेमारी की जा रही है। बर्लिन में शनिवार रात वार्षिक क्रिस्टोफर स्ट्रीट डे (प्राइड) कार्यक्रम के दौरान एक कार भीड़ में घुस गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हुए हैं। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया, जिसकी तलाश के लिए पुलिस ने बड़ा अभियान शुरू किया है। पुलिस अभी यह जांच कर रही है कि यह हादसा था या जानबूझकर किया गया हमला। वहीं, बर्लिन के मेयर काई वेगनर ने इसे शहर की आजादी और खुले समाज पर हमला बताया है। बर्लिन पुलिस के प्रवक्ता फ्लोरियन नाथ ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि जांच के शुरुआती चरण में ही संदिग्ध की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि आरोपी का नाम फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है, लेकिन वह पहले से पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज है और बर्लिन का ही रहने वाला है। उन्होंने आगे कहा, 'हमने शुरुआती जांच के आधार पर एक संदिग्ध की पहचान कर ली है। वह बर्लिन में सक्रिय इस्लामी समूहों से जुड़ा हुआ है और पुलिस उसे पहले से जानती है'। उन्होंने बताया कि संदिग्ध की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है और उसकी तलाश पूरी तेजी से जारी है। हालांकि, पुलिस ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि हमले का मकसद क्या था और घटना में कितने लोग घायल हुए। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। बर्लिन का प्राइड कार्यक्रम हर साल बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी के साथ आयोजित किया जाता है। इस आयोजन में एलजीबीटीक्यू समुदाय के अधिकारों, समानता और विविधता के समर्थन में हजारों लोग शामिल होते हैं।

चीन पर टूटा टाइफून नोल का कहर, तीन लाख से अधिक लोगों को छोड़ना पड़ा घर; सैकड़ों उड़ानें रद्द

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिणी चीन के तटीय इलाकों में रविवार तड़के शक्तिशाली चक्रवाती तूफान नोल ने भीषण दस्तक दी। 145 किलोमीटर प्रति घंटे की तूफानी रफ्तार और मूसलाधार बारिश के साथ आए इस टाइफून ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। आपदा की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने ग्वांगडोंग प्रांत से अब तक 3,40,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया है।

तड़के 3:50 बजे हुआ लैंडफॉल : चीन के राष्ट्रीय मौसम केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, टाइफून नोल रविवार सुबह स्थानीय समयानुसार लगभग 3:50 बजे दक्षिणी ग्वांगडोंग प्रांत के हुइझोउ शहर स्थित हुइडोंग काउंटी के तट से टकराया। लैंडफॉल के वक्त हवाओं की गति बेहद डरावनी थी। हालांकि, हांगकांग वेधशाला का कहना है कि जमीनी हिस्से से टकराने के बाद यह

तूफान धीरे-धीरे ग्वांगडोंग के अंदरूनी इलाकों की ओर बढ़ रहा है और इसकी तीव्रता में मामूली कमी दर्ज की गई है। तूफान का सबसे बड़ा असर यातायात व्यवस्था पर पड़ा है। हांगकांग एयरपोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, शनिवार और रविवार के बीच 150 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। वहीं, चाइना न्यूज सर्विस ने जानकारी दी कि सुरक्षा कारणों से ग्वांगडोंग प्रांत में रविवार को चलने वाली सभी ट्रेन सेवाओं को स्थगित कर दिया गया है। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, शनिवार दोपहर से ही लोगों को सुरक्षित निकालने का काम युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया था। नोल के असर से हांगकांग में शनिवार को एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत का मचान गिर गया, हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। उधर, ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन ने बताया कि तूफान ताइवान के दक्षिण से गुजरते हुए भारी बारिश लेकर आया है, जिससे द्वीप के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में मौसम बिगड़ गया है। चीन के लिए जुलाई का महीना मौसम के लिहाज से काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। इस महीने की शुरुआत में टाइफून बावी ने पूर्वी चीन में कहर बरपाया था, जिसके कारण 20 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा था। उससे पहले 3 जुलाई को टाइफून मेसाक ने भी दक्षिणी चीन के तटों पर दस्तक दी थी। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि वीकेंड के दौरान ग्वांगडोंग और दक्षिण-पूर्वी फुजियान प्रांतों में भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। टाइफून नोल के प्रभाव से परिवहन सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार और रविवार की 150 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि गुआंगदोंग प्रांत में रविवार की कई ट्रेन सेवाएं भी स्थगित कर दी गईं। हांगकांग में तेज हवाओं के कारण एक ऊंची इमारत पर लगा मचान गिर गया।

धधक रहा यूरोप ! फ्रांस और स्पेन में तीन लाख से ज्यादा लोगों ने छोड़ा घर, जलकर खाक हुए लाखों हेक्टेयर जंगल

पेरिस, एजेंसी। यूरोप के कई देश इन दिनों भीषण गर्मी और जंगलों में लगी बेकाबू आग की चपेट में हैं। फ्रांस और स्पेन में हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि अब तक करीब 3,40,000 से अधिक लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। तेज हवाओं और रिकॉर्ड तापमान ने आग को बुझाने के प्रयासों को और भी मुश्किल बना दिया है, जिससे अधिकारी इस संकट को नियंत्रण से बाहर बता रहे हैं।

फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित बोर्दो शहर की ओर बढ़ रही आग ने अब प्रशासन की नींद उड़ा दी है। यहां के गिरोंडे और लैंडेस क्षेत्रों से अब तक लगभग 2,50,000 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। आग की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता

है कि धुएं की गंध 100 मील दूर तक महसूस की जा रही है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसे एक अभूतपूर्व स्थिति बताते हुए राहत कार्यों के लिए सेना को मैदान में उतार दिया है। आग की वजह से पैदा हुए सुरक्षा संकट के कारण दुनिया की मशहूर साइकिल रेस 'टूर डी फ्रांस' के अंतिम चरण के रूट को भी छोटा करना पड़ा है। दमकल अधिकारियों का कहना है कि आग इतनी भीषण है कि वह अपनी खुद की हवाएं और बवंडर पैदा कर रही है, जिससे इस पर काबू पाना लगभग असंभव हो रहा है।

स्पेन में भी स्थिति भयावह बनी हुई है, जहां सरकार ने आपातकाल घोषित कर दिया है। राजधानी मैड्रिड और आसपास के इलाकों से करीब 60,000 लोगों को विस्थापित किया गया है। वैलेंसिया क्षेत्र में आग की चपेट में आने से 70 वर्षीय एक व्यक्ति की कार में मौत होने की दुखद खबर भी सामने आई है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने स्वीकार किया है कि आने वाले समय में चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक स्पेन में 1,30,000 हेक्टेयर और फ्रांस में 98,000 हेक्टेयर जंगल जलकर खाक हो चुके हैं। यूरोपीय संघ की संकट प्रबंधन आयुक्त हाजा लहबीब ने चेतावनी दी है कि आग लगने का सिलसिला समय से पहले शुरू होने के कारण इस साल तबाही के पिछले सभी रिकॉर्ड टूट सकते हैं। इस महासंकट से निपटने के लिए यूरोपीय संघ ने एकजुटता दिखाते हुए मदद भेजी है।

ट्रंप के दो अफसरों को नहीं मिला वीजा, ब्राजील चुनाव में दखल देने की साजिश हुई नाकाम

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील ने ट्रंप प्रशासन के दो बड़े अधिकारियों को वीजा देने से साफ तौर पर इनकार कर दिया है। इन दोनों अमेरिकी अधिकारियों पर देश की चुनावी व्यवस्था और प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाने की बड़ी साजिश रचने का आरोप लगा है। सूत्रों के अनुसार यह माना जा रहा था कि अमेरिकी अधिकारियों का यह ब्राजील दौरा अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को सीधे तौर पर प्रभावित करने की कोशिश थी। यह चुनाव वामपंथी राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा और ट्रंप समर्थक फ्लावियो बोल्सोनारो के बीच होगा। वीजा आवेदन खारिज होने वाले इस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में डेमोक्रेसी, ह्यूमन राइट्स एंड लेबर के सहायक सचिव रिले एम. बार्न्स शामिल थे। उनके साथ डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी सैमुअल सैमसन भी ब्राजील जाने वाले थे, लेकिन शुक्रवार को उनके वीजा आवेदन ठुकरा दिए गए। एक ब्राजीलियाई अधिकारी ने बताया कि वीजा आवेदन खारिज करने का यह बड़ा फैसला खुफिया सबूतों के आधार पर लिया गया है। ये सबूत पूरी तरह से यह इशारा करते हैं कि वे चुनावी व्यवस्था को कमजोर करने और राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे थे। ब्राजील के इस बड़े चुनाव में हस्तक्षेप की यह सनसनीखेज कोशिश ऐसे समय में सामने आई है जब ट्रंप प्रशासन लैटिन अमेरिका में सक्रिय है। डोनाल्ड ट्रंप लैटिन अमेरिका के कई देशों में लगातार राजनीतिक घटनाक्रम को अपने अनुसार

प्रभावित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने हाल ही में कोलंबिया के राष्ट्रपति अबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला और अर्जेंटीना के जेवियर मिलेई का भी खुलकर समर्थन किया था। इससे पहले वे चिली के जोस एंटोनियो कास्ट जैसे दक्षिणपंथी नेताओं का भी मंच से बहुत ही खुलकर अपना समर्थन कर चुके हैं। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने साल 2022 के चुनाव से पहले देश की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाए थे। जायर बोल्सोनारो की यह पूरी रणनीति अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा साल 2020 के चुनाव के बाद अपनाए गए रुख से बिल्कुल मिलती है। उस ऐतिहासिक चुनाव में मौजूदा राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने बड़ी जीत दर्ज की थी जिसके बाद बोल्सोनारो को 2030 तक चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया। बाद में बोल्सोनारो को सत्ता में बने रहने की साजिश के आरोप में 27 साल की जेल हुई और वह हाउस अरेस्ट में हैं। अब ब्राजील में नए चुनावी चक्र की शुरुआत के साथ ही फ्लावियो बोल्सोनारो अपने पिता की पुरानी राजनीतिक विरासत को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने देश की चुनावी व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर एक बार फिर से भारी संदेह फैलाना शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में फिर से हुआ जोरदार धमाका, दो लोगों की मौत, जांच जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में एक बार फिर से अशांति और खौफ का माहौल है। शनिवार को उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में एक बहुत ही जोरदार धमाका हुआ है। इस भयानक धमाके में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है और पूरे इलाके में भारी दहशत फैल गई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस और सुरक्षाबलों ने मौके पर पहुंचकर अपनी जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि इस जानलेवा हमले के समय मौके पर एक स्थानीय नेता भी मौजूद थे जो बाल-बाल बच गए। पुलिस ने हमले में मारे गए दोनों लोगों के शवों को कब्जे में लेकर खार अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी तक किसी भी आतंकवादी संगठन ने इस बड़े और खौफनाक धमाके की जिम्मेदारी आधिकारिक रूप से नहीं ली है। धमाके के बाद से ही पूरे इलाके में भारी अफरा-तफरी और तनाव का माहौल स्पष्ट रूप से बना हुआ है।

बाजौर जिले में हुआ धमाका : यह दिल दहला देने वाली घटना अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में घटी है। सलारजई तहसील में स्थित ताली बांध के पास यह जोरदार धमाका हुआ जिसने सबको चौंका दिया। पुलिस के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में अपनी जान गंवाने वाले दोनों लोग बाजौर जिले के ही रहने वाले थे। मारे गए लोगों की पहचान सुलेमान कारी और गुलाम के रूप में स्पष्ट तौर पर की गई है।

लगातार हो रहे हैं आतंकी हमले : उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत पिछले कुछ सालों से लगातार भारी अशांति का सामना कर रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह यहां बढ़ रही उग्रवादी हिंसा और अफगानिस्तान से लड़ाकों की सीमा-पार आवाजाही है। इलाके में बार-बार होने वाले सैन्य अभियानों के

कारण भी आम जनता को काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' यहां लगातार हिंसक हमलों को आसानी से अंजाम देता रहा है।

टीटीपी ने बढ़ाई मुश्किलें : पाकिस्तान की संघीय सरकार का साफ आरोप है कि आतंकी संगठन टीटीपी ने नवंबर 2022 में संघर्ष-विराम समझौता तोड़ दिया था। इसके बाद से ही अफगानिस्तान से सटे प्रांतों में आतंकी हमलों की संख्या में काफी ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। इन हमलों में न सिर्फ आम नागरिक बल्कि सुरक्षाबलों को भी अपना निशाना लगातार और बेरहमी से बनाया जा रहा है। सरकार और पुलिस इस पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए अपनी तरफ से लगातार कड़े प्रयास कर रही है।

पहले भी गई 15 जवानों की जान : इससे पहले 24 जुलाई को भी पाकिस्तान के इसी प्रांत में एक बहुत ही बड़ा आत्मघाती हमला हुआ था। बन्नू जिले में एक हमलावर ने विस्फोटकों से भरी अपनी गाड़ी सुरक्षा चौकी से सीधे टकरा दी थी। उस भयानक आत्मघाती हमले में सेना के 12 सैनिकों और 2 पुलिसकर्मियों सहित 15 सुरक्षाकर्मियों की दर्दनाक मौत हो गई थी। मृतकों में वन विभाग का एक पूर्व सरकारी अधिकारी भी शामिल था, जो आतंकवाद की भयावहता को साफ दर्शाता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

20 हजार वेतन पाने वाले कर्मचारी ने बनाई डुप्लिकेट फर्म 1.80 करोड़ की धोखाधड़ी

फर्जी कंपनी बनाकर खरीदा आलीशान घर, नवसारी में जमीन, कार और पत्नी-मां के लिए सोना

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के टेक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग हब माने जाने वाले उधना उद्योगनगर क्षेत्र से विश्वासघात और आर्थिक धोखाधड़ी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक फैक्ट्री में 20,000 मासिक वेतन पर काम करने वाले कर्मचारी ने अपने मालिक के भरोसे का फायदा उठाकर करोड़ों रुपये की ठगी कर ली। उधना उद्योगनगर स्थित एक प्रसिद्ध बैग निर्माता कंपनी के मालिक को पिछले एक वर्ष से लगातार आर्थिक नुकसान हो रहा था। जब उन्होंने खातों की गहराई से जांच कराई तो सामने आए खुलासे ने पुलिस और व्यापार जगत दोनों को हैरान कर दिया। मालिक ने जिस कर्मचारी पर माल भेजने, ऑर्डर लेने और पूरे हिसाब-किताब की जिम्मेदारी सौंपी थी, उसी ने कंपनी के नाम से मिलता-जुलता एक डुप्लिकेट नाम बनाकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कम कीमत में सामान बेचना शुरू कर दिया और 1.80 करोड़ की रकम अपने बैंक खाते में जमा कर ली। मामले की शिकायत उधना पुलिस स्टेशन में दर्ज होने के बाद सर्विलांस टीम ने आरोपी अकाउंटेंट मनीष पठाड़े को गिरफ्तार कर लिया।

रांदेर के कॉजवे रोड स्थित सानिया रेजिडेंसी में रहने वाले 43 वर्षीय मोहम्मद सेहजाद मोहम्मद सत्तार आलम उधना उद्योगनगर के रोड नंबर-8 पर स्थित प्लॉट में 'सितारा बैग' (SITARA BAG) और 'स्काइलर' ब्रांड नाम से बैग निर्माण तथा ऑनलाइन और ऑफलाइन बिक्री का व्यवसाय करते हैं। उनकी फैक्ट्री में करीब 25 कर्मचारी काम करते हैं।

वर्ष 2022 में उन्होंने महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के निवासी तथा वर्तमान में डिंडोली में रहने वाले मनीष चंद्रकांत पठाड़े (29) को 20,000 मासिक वेतन पर सेल्समैन के रूप में नियुक्त किया था। शुरुआत में मनीष ने ईमानदारी से काम कर मालिक का विश्वास जीत लिया। इसके बाद उसे ऑर्डर लेने, माल भेजने, भुगतान प्राप्त करने और पूरा वित्तीय लेखा-जोखा संभालने की जिम्मेदारी सौंप दी गई।

नौकरी शुरू करने के केवल छह महीने बाद मनीष ने धोखाधड़ी की योजना बना ली। मालिक की कंपनी का नाम 'सितारा बैग' (SITARA BAG) था। मनीष ने अपने नाम से 'मनवंश ट्रेड्स' नामक फर्म पंजीकृत कराई और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर 'सितारा बैग्स' (SITARA BAGS) नाम से फर्जी कंपनी बना दी।

फैक्ट्री में तैयार होने वाले बैग वह अपनी फर्जी फर्म के माध्यम से असली कीमत से कम दाम पर ऑनलाइन बेचने लगा। ऑर्डर मालिक की फैक्ट्री से भेजे जाते थे, लेकिन उनकी भुगतान राशि सीधे तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक लिमिटेड में मौजूद मनीष के निजी खाते में जमा होती रही।

इस तरह वर्ष 2022 से नवंबर 2025 तक उसने अलग-अलग लेनदेन के जरिए कुल 1.80 करोड़ अपने खाते में जमा कर मालिक के साथ बड़ा विश्वासघात किया।

धोखाधड़ी से मिली रकम से मनीष ने अपनी जीवनशैली पूरी तरह बदल दी। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसने इस रकम से:

डंडोली के क्रिस्टल होम्स में प्लॉट नंबर-4 पर एक आलीशान मकान खरीदा।

निवेश के तौर पर नवसारी में जमीन और संपत्ति खरीदी।

व्यक्तिगत उपयोग के लिए लगभग 5 लाख की मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार (GJ-05-RT-5748) खरीदी।

करीब 2 लाख का एथर एनर्जी का इलेक्ट्रिक स्कूटर (GJ-05-TX-1564) खरीदा।

अपनी पत्नी और मां के लिए लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण भी खरीदे।

लगातार हो रहे घाटे के कारण मोहम्मद सेहजाद ने स्वयं खातों की जांच शुरू की। जांच में मनीष के हिसाब-किताब में भारी गड़बड़ी सामने आई। गहन जांच के दौरान उसकी फर्जी कंपनी 'सितारा बैग्स' और तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक के खाते के जरिए चल रही पूरी धोखाधड़ी का खुलासा हो गया।

28 नवंबर 2025 को मालिक ने मनीष को कार्यालय बुलाकर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। इसके बाद मनीष ने अपने परिवार की मौजूदगी में अपनी गलती स्वीकार करते हुए लिखित में माना कि उसने मालिक के पैसों से ही संपत्तियां खरीदी हैं और उन्हें बेचकर धीरे-धीरे पूरा नुकसान भरपाई करने का वादा किया।

आखिरकार पीड़ित व्यापारी मोहम्मद सेहजाद ने उधना पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति से मामला दर्ज किया गया। उधना पुलिस की सर्विलांस टीम ने आरोपी मनीष चंद्रकांत पठाड़े को गिरफ्तार कर लिया है।

फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और धोखाधड़ी से अर्जित अन्य संपत्तियों तथा शेष रकम के संबंध में विस्तृत जांच जारी है।

गैराज की आड़ में चल रहा था शराब का अवैध कारोबार

ऑफिस के तहखाने में बने गुप्त कमरे से भारी मात्रा में शराब बरामद

16.42 लाख के मुद्देमाल के साथ 3 गिरफ्तार 2 फरार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के लसकाणा क्षेत्र में आउटर रिंग रोड स्थित एक गैराज पर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारकर विदेशी शराब और बीयर का बड़ा जखीरा बरामद किया है। सरदार चौक के पास, खाखी भजिया की दुकान के बगल में स्थित अल्पेशभाई के गैराज के टीन शेड में शराब की अवैध सप्लाई और कटिंग का धंधा चल रहा था। आरोपियों ने शराब छिपाने के लिए ऑफिस के तहखाने में विशेष रूप से एक गुप्त कक्ष (सीक्रेट चैंबर) भी बना रखा था। लसकाणा पुलिस की सर्विलांस टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके से 3.42 लाख से अधिक की शराब-बीयर, दो कारें और मोबाइल फोन समेत कुल 16.42 लाख से अधिक का मुद्देमाल जब्त किया।

पुख्ता सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई लसकाणा पुलिस स्टेशन के PI एम.बी. झाला के मार्गदर्शन में सर्विलांस स्क्वॉड एन.आर. पटेल और उनकी टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान हेड कांस्टेबल हिम्मतसिंह दिनेशभाई को सूचना मिली कि अल्पेशभाई के गैराज में भारी मात्रा में शराब उतारी गई है और उसकी अवैध सप्लाई की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने दो पंचों की मौजूदगी में तत्काल छापा मारा।

छापेमारी के दौरान पुलिस को गैराज के ऑफिस के तहखाने में बेहद चालाकी से बनाया गया एक गुप्त कमरा मिला, जिसमें शराब का जखीरा छिपाकर रखा गया था। पुलिस को देखते ही गैराज मालिक अल्पेश रतिभाई पड़साला और प्रफुल भीखाभाई आसोदरिया शेड के पीछे की दीवार फांदकर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। हालांकि पुलिस ने मौके से तीन लोगों को पकड़ लिया। फरार हुए दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन ब्रेजा कार के बोनट पर मिले। 3 आरोपी गिरफ्तार, 3 को वांटेड घोषित किया गया पुलिस ने मौके से शराब खरीदने और उसकी हेराफेरी करने आए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया:

भीखुभाई नाथुभाई पटेल (निवासी भेस्तान, सूरत)

राकेशकुमार श्रवणकुमार बिश्नोई (मूल निवासी राजस्थान, वर्तमान निवासी सिलवासा)

रामनिवास करणाराम बिश्नोई (मूल निवासी राजस्थान, वर्तमान निवासी सिलवासा)

पूछताछ में सामने आया कि शराब का यह जखीरा सिलवासा निवासी रामभाई कालुभाई बिश्नोई ने भेजा था। पुलिस ने रामभाई बिश्नोई के साथ फरार गैराज मालिक अल्पेश और प्रफुल को भी वांटेड घोषित किया है।

पुलिस ने छापेमारी के दौरान कुल 16,42,223 का मुद्देमाल जब्त किया, जिसमें शामिल हैं:

शराब और बीयर: 1,532 बोतल/टिन (कुल 336.05 लीटर) - कीमत 3,42,223

वाहन:फोर्ड इकोस्पोर्ट (GJ-05-JE-9162) - कीमत 6,00,000

मारुति सुजुकी कार (GJ-06-LS-9586) - कीमत 6,00,000

मोबाइल फोन: 5 स्मार्टफोन - कुल कीमत 1,00,000

इस मामले में लसकाणा पुलिस स्टेशन में प्रोहिबिशन एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

मामले की आगे की कानूनी जांच PSI एन.आर. पटेल और PSI निखिलकुमार पटेल कर रहे हैं।

ट्रेन से 1.96 लाख का गांजा बरामद

सूरत रेलवे स्टेशन पर पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस के दिव्यांग कोच से 4 बैग मिले, पकड़े जाने के डर से तस्कर फरार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत समेत पूरे गुजरात में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी रोकने के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सूरत रेलवे पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। ट्रेनों के जरिए होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे MISSION SAFE STATION अभियान के दौरान पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस से 1.96 लाख कीमत का कुल 3.920 किलोग्राम लावारिस गांजा बरामद किया गया। पुलिस की सघन जांच देखकर तस्कर पकड़े जाने के डर से गांजा छोड़कर फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, SOG वडोदरा (कैंप सूरत) के PSI एच.पी. राविया, ASI दिनेशजी, उधना रेलवे आउटपोस्ट तथा RPF क्राइम सूरत की संयुक्त टीम ट्रेन संख्या 12843 पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस में सघन जांच कर रही थी। ट्रेन रात करीब 1:43 बजे मढ़ी रेलवे स्टेशन पार कर सूरत की ओर आ रही थी, तभी चेकिंग अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान ट्रेन के आगे स्थित दिव्यांग कोच के ऊपरी पार्टिशन में रखे ग्रे रंग के चार बड़े संदिग्ध बैग मिले। पुलिस ने जब इन बैगों की जांच की तो उनमें से वनस्पति आधारित मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि पुलिस की कार्रवाई देखकर कोई अज्ञात तस्कर बैग वहीं छोड़कर ट्रेन से फरार हो गया।

ट्रेन के सूरत रेलवे स्टेशन पहुंचने पर SOG टीम ने स्थानीय पुलिस और कुलियों की मदद से चारों बैग नीचे उतरवाए। इसके बाद ट्रेन में मौजूद यात्रियों से पूछताछ की गई, लेकिन बरामद सामान पर किसी ने भी अपना दावा नहीं किया। इस मामले में ASI दिनेशजी सोलंकी की शिकायत के आधार पर सूरत रेलवे पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

पाल में फैमिली सैलून की आड़ में चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर के पॉश इलाके पाल पुलिस थाना क्षेत्र में स्पा और सैलून की आड़ में चल रहे अवैध देह व्यापार के धंधे पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पाल राज विक्टोरिया के सामने स्थित राज आर्केड की दूसरी मंजिल पर दुकान नंबर-108 में 'रूपा फैमिली सैलून' के नाम से संचालित अवैध अड्डे पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU) ने पुख्ता सूचना के आधार पर छापा मारा। बताया जा रहा है कि पिछले करीब तीन वर्षों से फैमिली सैलून की आड़ में यहां देह व्यापार का गोरखधंधा चलाया जा रहा था। पुलिस ने छापेमारी के दौरान पूरे रैकेट का पर्दाफाश करते हुए वहां मौजूद 4 भारतीय महिलाओं को सुरक्षित मुक्त कराया।

छापेमारी के दौरान पुलिस के सामने सैलून की संचालिका की बेहद शातिर कार्यप्रणाली सामने आई। सैलून की मालकिन रूपाली पवन जोगेंद्रनाथ बिस्वाल (45 वर्ष) पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए एक अनोखी तरकीब अपनाती थी। उसने दुकान के बाहर दीवार पर लगे फायर सेफ्टी उपकरण के नीचे रखे एक प्लास्टिक बॉक्स में कंडोम का स्टॉक छिपाकर रखा था। जब भी कोई ग्राहक आता, वह बाहर जाकर उसी बॉक्स से कंडोम लाकर उसे देती थी, ताकि पुलिस छापे के दौरान सैलून के अंदर कोई आपत्तिजनक सामान बरामद न हो। हालांकि AHTU की सतर्क टीम ने इस चालाकी का भी खुलासा कर दिया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने सैलून की संचालिका और ग्राहकों की तलाशी लेकर कुल 43,800 का मुद्देमाल बरामद किया। इसमें 11,800 नकद 32,000 कीमत के 4 स्मार्टफोन, 15 कंडोम, तथा दुकान के बिजली बिल, टैक्स बिल और लाइसेंस की प्रतियां शामिल हैं।

पुलिस ने 'रूपा फैमिली सैलून' से देह व्यापार में फंसाई गई 4 भारतीय महिलाओं को मुक्त कराया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आर्थिक लालच देकर इन महिलाओं को इस अवैध धंधे में धकेला गया था।

छापेमारी के दौरान मुख्य एजेंट एजाज खान फरार होने में सफल रहा। ग्राहकों की व्यवस्था करने और पूरे रैकेट से कमीशन लेने वाले एजाज खान को पुलिस ने वांटेड घोषित कर उसकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए तलाश तेज कर दी है।

BNS और इमोरल ट्रैफिकिंग प्रिवेंशन एक्ट के तहत मामला दर्जपाल पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार ग्राहकों—

जयप्रकाश रमेशभाई यादव (निवासी घोड़दौड़ रोड),

अब्बासुद्दीन गुलाम अंबिया शेख (निवासी पंपिंग चार रास्ता),

नारायणसिंह उत्तमसिंह बागड़ी (निवासी महिधरपुरा),

के साथ-साथ सैलून संचालिका रूपाली बिस्वाल और फरार एजेंट एजाज खान के खिलाफ इमोरल ट्रैफिक (प्रिवेंशन) एक्ट, 1956 की धारा 3, 4, 5 और 7, तथा भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की धारा 144(2) और 54 के तहत मामला दर्ज किया है।

बिहार से सूरत कमाने आया, लेकिन साथ लाया देसी कट्टा

पांडेसरा में देसी तमंचा और 3 जिंदा कारतूस के साथ रंजीत साहू गिरफ्तार

पुलिस ने 15.3 हजार का मुद्देमाल जब्त किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर के पांडेसरा स्थित वडोदगाम की साईमोहन सोसायटी, विभाग-3 में रहने वाले तथा मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद जिले के कंकर गांव निवासी 20 वर्षीय रंजीत उर्फ छोटू शिवनाथ सरजू साहू को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। अपराधों पर अंकुश लगाने और अवैध हथियारों की धरपकड़ के लिए पुलिस आयुक्त वाबांग जामीर के निर्देश पर पांडेसरा पुलिस की सर्विलांस टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि प्राइम प्वाइंट से बुड़िया रोड पर एक युवक तमंचा लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने जीईबी सब-स्टेशन चौक के पास घेराबंदी कर रंजीत उर्फ छोटू को पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान पुलिस को आरोपी के पास से 10,000 कीमत का एक देसी निर्मित कट्टा (तमंचा), 300 कीमत के 3 जिंदा कारतूस और 5,000 कीमत का एक स्मार्टफोन मिला।

पांडेसरा पुलिस ने कुल 15,300 का मुद्देमाल जब्त कर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)(ए), 29 तथा गुजरात पुलिस एक्ट की धारा 135(1) के तहत मामला दर्ज कर उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया है।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी रंजीत उर्फ छोटू ने स्वीकार किया कि उसने यह देसी कट्टा और कारतूस अपने मूल गांव बिहार से खरीदे थे। अब रोजगार की तलाश में बिहार से सूरत आए इस युवक ने अपने गांव से ही अवैध देसी कट्टा और जिंदा कारतूस खरीदकर सूरत लाया था। आशंका है कि वह शहर में अपनी धाक जमाने या किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की नीयत से इस हथियार को अपने पास रखे हुए था।

सूरत शहर में शरीर संबंधी पांडेसरा पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि बिहार में उसने यह हथियार किस व्यक्ति या गिरोह से खरीदा था और सूरत में इसे लाने का उसका उद्देश्य क्या था।

साथ ही पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कहीं इसके पीछे किसी बड़े अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क का संबंध तो नहीं है।